वर्ष : 34 | अंक : 358 | मुंबई, शनिवार, 7 मार्च 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

महाराष्ट्र बजट : 'वोटर फ्रेंडली' भी, 'फ्यूचरिस्टिक' भी

DBD
दो बजे दोपहर

7.69 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश

- महाराष्ट्र में किसानों का 2 लाख तक का कर्ज माफ
- राज्य की राजस्व प्राप्तियां 6 .16 लाख करोड़ रहने का अनुमान
- राजस्व व्यय 6 .56 लाख करोड़ आंका गया

अमित बृज/धीरज | मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को बतौर सीएम राज्य का पहला वित्त बजट पेश किया। वह ऐसा करने वाले राज्य के पहले मुख्यमंत्री बने। सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कुल 7.69 लाख करोड़ के परिव्यय का अनुमान लगाया है। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने बजट 2026 के जरिए किसानों से लेकर कॉर्पोरेट जगत तक सबको फायदा पहुंचाने का काम किया। सदन में जब पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर शेतकरी कर्जमाफी योजना का शंखनाद हुआ तो 2 लाख रुपये तक की कर्जमाफी की गूंज ने लाखों किसानों के चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी। यह सिर्फ एक बजट नहीं बल्कि मुंबई-नवी मुंबई एयरपोर्ट मेट्रो लाइन के जरिए रफ्तार का एक नया सपना है। जहां एक ओर 'माझी लाड़की बहिन' और लखपति दीदी जैसी योजनाओं से नारी शक्ति की हुंकार भरी गई है, वहीं महाराष्ट्र बांस नीति और AVGC पॉलिसी के माध्यम से राज्य को भविष्य के उद्योगों के लिए तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ग्रामीण पशुधन योजना से लेकर शक्तिपीठ हाईवे तक, फडणवीस ने तिजोरी से हर उस वर्ग के लिए सौगात निकाली है जो देश को महाराष्ट्र के रास्ते 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का सारथी बनेगा।

5 ट्रिलियन इकोनॉमी का लक्ष्य

■ मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि साल 2047 तक महाराष्ट्र 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा। इसके लिए उद्योग जगत में 1500 अरब करोड़ के निवेश और वैश्विक केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

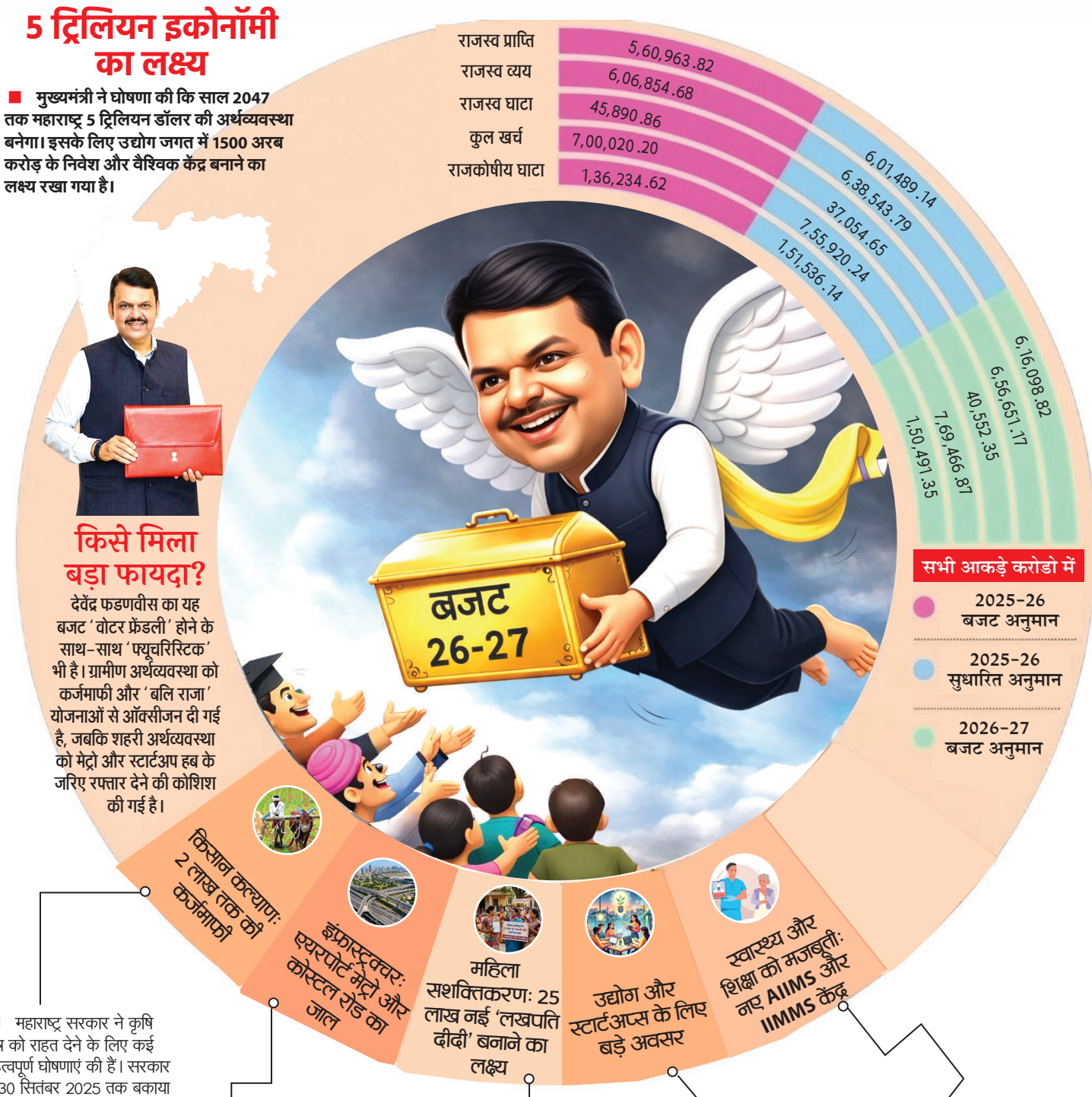

किसे मिला बड़ा फायदा?

देवेंद्र फडणवीस का यह बजट 'वोटर फ्रेंडली' होने के साथ-साथ 'फ्यूचरिस्टिक' भी है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कर्जमाफी और 'बलि राजा' योजनाओं से ऑक्सीजन दी गई है, जबकि शहरी अर्थव्यवस्था को मेट्रो और स्टार्टअप हब के जरिए रफ्तार देने की कोशिश की गई है।

■ महाराष्ट्र सरकार ने कृषि क्षेत्र को राहत देने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। सरकार ने 30 सितंबर 2025 तक बकाया फसल ऋण वाले किसानों को 2 लाख रुपये तक की कर्जमाफी देने का फैसला किया है, जिसके लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। साथ ही नियमित रूप से कर्ज चुकाने वाले किसानों को 50,000 रुपये तक की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। राज्य में 5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को प्राकृतिक खेती के दायरे में लाने की योजना बनाई गई है, जबकि 'मुख्यमंत्री ग्रामीण पशुधन योजना' के तहत महिला चरवाहों, मुर्गी पालन और बकरी पालन करने वाले लोगों को आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा मत्स्य पालन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना शुरू की जाएगी। वहीं किसानों की सुविधा के लिए मुख्यमंत्री बलीराजा खेत पगडंडी सड़क योजना भी लागू की जाएगी, जिसके तहत खेतों तक पहुंचने के लिए रास्तों का विकास किया जाएगा।

■ मुंबई, पुणे और नागपुर जैसे बड़े शहरों में कोस्टल रोड, मेट्रो नेटवर्क और भूमिगत सुरंगों के लिए भारी फंड का प्रावधान किया गया है। कुल 490 किलोमीटर की मेट्रो लाइन पर काम शुरू हो चुका है, जिसमें से 165 किलोमीटर का हिस्सा 2029 तक चालू हो जाएगा। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट और नवी मुंबई एयरपोर्ट को जोड़ने वाली एक विशेष 'एयरपोर्ट मेट्रो लाइन' का काम शुरू किया जाएगा। वर्सोवा-दहिसर-भायंदर कोस्टल रोड को दिसंबर 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य है। बजट में मुख्यमंत्री ने ग्राम सड़क योजना को लेकर भी घोषणा की, जिसमें 30000 गांव को जोड़ने की बात कही गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2450 किलोमीटर सड़कों का निर्माण हो चुका है और अभी भी कार्य जारी है।

■ महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने 'माझी लाड़की बहिन' योजना को जारी रखते हुए नए लक्ष्य निर्धारित किए हैं। सरकार ने 25 लाख और महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का संकल्प लिया है, ताकि स्वयं सहायता समूहों और विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से उनकी आय बढ़ाई जा सके। इसके अलावा राज्य में एकल महिलाओं का सर्वे पूरा होने के बाद उनके सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए एक विशेष योजना भी शुरू करने की तैयारी की जा रही है, जिससे उन्हें रोजगार, प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता मिल सके। इस वर्ष को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष घोषित किया गया है। महिला गोपालक, कुक्कुटपालक और बकरी पालकों के लिए विशेष प्रोत्साहन कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

■ महाराष्ट्र को वैश्विक औद्योगिक केंद्र बनाने के लक्ष्य के साथ उद्योगों और स्टार्टअप्स को भी इस बजट से बड़ा लाभ मिलने वाला है। मुंबई के वडाला क्षेत्र में 130 एकड़ में एक विशाल स्टार्टअप हब विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही राज्य में 50 लाख नए रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। पर्यावरण संरक्षण और औद्योगिक विकास को साथ लेकर चलने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने नई 'महाराष्ट्र बांस नीति' लागू करने की घोषणा की है। इस नीति के माध्यम से राज्य में 50,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत थर्मल पावर परियोजनाओं में बांस के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा।

■ राज्य में ग्रामीण और शहरी स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार ने बजट में बड़े प्रावधान किए हैं। इसके तहत महाराष्ट्र में नए AIIMS और IIMMS स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जिससे उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं आम लोगों तक पहुंच सकेंगी। इसके साथ ही एशियाई विकास बैंक (ADB) की सहायता से कैंसर, मधुमेह और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों की जांच और रोकथाम के लिए 4,500 करोड़ रुपये की योजना प्रस्तावित की गई है। वहीं, राज्य को गेमिंग क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए नई AVGC (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स) नीति लाने की भी घोषणा की गई है, जिससे स्टार्टअप्स और युवाओं को नए अवसर मिलेंगे।

बजट और घाटों का विवरण

बजट में 40,552 करोड़ रुपए के रेवेन्यू घाटे और 1,50,491 करोड़ रुपए के राजकोषीय घाटे का अनुमान है। वित्तीय वर्ष के लिए सरकार ने 6,16,099 करोड़ रुपए की रेवेन्यू रिसीट और 6,56,651 करोड़ रुपए के रेवेन्यू खर्च का अनुमान लगाया। फडणवीस ने कहा कि रेवेन्यू घाटा जीएसडीपी के 1% और राजकोषीय घाटा जीएसडीपी के 3% से नीचे रखा गया है।

CM फडणवीस ने अजित दादा को समर्पित किया बजट

महाराष्ट्र के इतिहास में आज एक भावुक और ऐतिहासिक क्षण देखा गया। मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज विधानमंडल में साल 2026-27 का राज्य बजट पेश किया। यह पहला मौका है जब मुख्यमंत्री फडणवीस ने वित्त मंत्री के रूप में बजट भाषण पढ़ा। बजट की शुरुआत करते हुए फडणवीस का गला भर आया। उन्होंने पूर्व उपमुख्यमंत्री दिवंगत अजित पवार को याद करते हुए कहा, "आज मेरा हृदय भारी है। अजित दादा ने 11 बार बजट पेश कर राज्य को वित्तीय अनुशासन दिया। यह बजट उन्हीं को समर्पित है।" मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र विधानसभा में बजट भाषण के दौरान घोषणा की कि अजित पवार की स्मृति में एक भव्य स्मारक बनाया जाएगा और उनके नाम पर राज्य स्तरीय 'नागरिक पुरस्कार' की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने कहा कि अजित दादा के जाने से जो शून्य पैदा हुआ है, उसे कभी भरा नहीं जा सकता।

विकसित महाराष्ट्र 2047 का रोडमैप

मुख्यमंत्री ने अपने 1 घंटे 24 मिनट के बजट भाषण में 'विकसित महाराष्ट्र 2047' का रोडमैप प्रस्तुत किया। इसमें खेती, हेल्थकेयर, सस्टेनेबल डेवलपमेंट और गुड गवर्नेंस पर जोर दिया गया। राज्य का लक्ष्य 2030 तक 1 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाना है।

बजट में क्या सस्ता और क्या महंगा

बजट के अनुसार कैंसर की दवाएं, मधुमेह के उपचार से जुड़ी दवाएं, सौर पैनल, चिकित्सा उपकरण और खेल सामग्री सस्ती होंगी। वहीं दूसरी ओर शराब, सिगरेट, तंबाकू उत्पाद और विलासिता की वस्तुएं महंगी कर दी गई हैं।

दिव्यांगों को सामाजिक सुरक्षा का सहारा

■ बजट में दिव्यांगजनों के लिए भी महत्वपूर्ण घोषणा की गई है। सरकार ने उनके मासिक मानधन में 1,000 रुपये की बढ़ोतरी करते हुए इसे 2,500 रुपये कर दिया है।

हरित ऊर्जा को लेकर क्या लक्ष्य

■ महाराष्ट्र ने 2029 तक 50 प्रतिशत और 2035 तक 65 प्रतिशत हरित ऊर्जा हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है, जिसे रूफटॉप सोलर और बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण के जरिए पूरा किया जाएगा।

विकास और सामाजिक कल्याण

■ बजट में जिला वार्षिक योजना के लिए 21,867 करोड़ आवंटित किए हैं, जो पिछले साल से 1702 करोड़ रुपए अधिक है। अनुसूचित जाति और आदिवासी विकास के लिए कुल मिलाकर 44,800 करोड़ रुपए से अधिक की राशि आरक्षित की गई है, जो समावेशी विकास की ओर इशारा करती है।

खेल विकास को मिलेगा बढ़ावा

राज्य सरकार ने खेल क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए भी कई महत्वपूर्ण कदम उठाने की घोषणा की है। 'मिशन लक्ष्यवेध' के तहत एथलेटिक्स, बैडमिंटन और बॉक्सिंग सहित 12 खेलों के लिए राज्य स्तर पर आठ हाइपरपरफॉर्मेंस सेंटर पहले ही शुरू किए जा चुके हैं और अब चार नए सेंटर स्थापित किए जाएंगे।

हमने किसानों को दिया वचन निभाया है : फडणवीस

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बजट को समावेशी बताया। उन्होंने कहा कि किसानों को 2 लाख रुपये तक की कर्जमाफी देकर उन्होंने विधानसभा चुनाव में किया गया वादा पूरा किया है। फडणवीस ने कहा कि एग्रीस्टैक और महाविस्तार प्लेटफॉर्म उपलब्ध हो गए हैं। मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी का काम तेजी से चल रहा है, जिससे भविष्य में किसानों को दिन के समय भी बिजली मिल सकेगी।

यह 2047 के विकसित महाराष्ट्र की ओर मजबूत कदम : शिंदे

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने राज्य के बजट को 'विजनरी' बजट बताते हुए कहा कि यह महाराष्ट्र के समग्र विकास की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। मेट्रो परियोजनाओं, नए राजमार्गों और सड़क नेटवर्क के विस्तार के जरिए राज्य में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया जाएगा।

यह कर्ज लेकर दिवाली मनाने जैसा बजट है : ठाकरे

विपक्ष ने सरकार पर किसानों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। उद्धव ठाकरे ने कहा कि चुनाव में 'सातबारा' (भूमि अभिलेख) पूरी तरह कोरा करने का वादा किया गया था, लेकिन बजट में कई शर्तों के साथ केवल सीमित कर्जमाफी दी गई है। उन्होंने 'लाडकी बहिन' योजना की स्पष्टता पर भी सवाल उठाए।

कागजी उपायों से किसान बर्बाद हो जाएगा : राजू शेट्टी

किसान नेता राजू शेट्टी ने 2 लाख की कर्जमाफी को 'छलावा' बताते हुए कहा कि सरकार ने बुनियादी सुविधाओं, उर्वरकों और बीजों पर सब्सिडी के लिए कोई ठोस प्रावधान नहीं किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण ही खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है।

मुंबई को वैश्विक शहर बनाने का विजन

मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बजट 2026-27 के जरिए मुंबई के लिए 'खजाने का द्वार' खोल दिया है। 'मुंबई 3.0' और 'विज़न 2047' के जरिए शहर को न केवल गड्ढा मुक्त बनाने, बल्कि इसे दुनिया के सबसे आधुनिक शहरों की कतार में खड़ा करने का मास्टर प्लान पेश किया गया है।

मेट्रो नेटवर्क के विस्तार पर बड़ा निवेश

परिवहन के क्षेत्र में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार इस बजट की सबसे बड़ी घोषणाओं में शामिल है। वडाला से गेटवे ऑफ इंडिया तक बनने वाली मेट्रो लाइन-11 के लिए 23,487 करोड़ रुपये और मुंबई हवाई अड्डे से नवी मुंबई हवाई अड्डे को जोड़ने वाली मेट्रो लाइन-8 के लिए 22,862 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा बांद्रा-वरसोवा कोस्टल रोड लिंक और सिवड़ी-वरली कनेक्टर जैसे अहम प्रोजेक्ट्स को तय समय सीमा में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। शहर की सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने के लिए कंक्रीटीकरण अभियान के लिए भी बड़ी राशि आवंटित की गई है।

स्टार्टअप हब और एजुकेशन सिटी का विकास

मुंबई के आर्थिक विकास को नई गति देने के लिए वडाला में 130 एकड़ भूमि पर अत्याधुनिक स्टार्टअप हब विकसित किया जाएगा। यह हब नवाचार, तकनीकी विकास और नए उद्यमों के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में काम करेगा। इसके साथ ही नवी मुंबई में 'एजुकेशन सिटी' स्थापित की जाएगी, जहां दुनिया के छह बड़े अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के कैंपस बनाए जाएंगे।

जल सुरक्षा और पर्यावरणीय योजनाएं

मुंबई की बढ़ती आबादी को देखते हुए जल आपूर्ति और पर्यावरणीय संतुलन पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। गार्गई बांध परियोजना को फिर से शुरू करने के लिए 437 .51 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं मनोरी में समुद्री पानी को मीठा बनाने के लिए प्रस्तावित डिसैलिनेशन प्लांट के लिए 500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

- महात्मा फुले की 200वीं जयंतीः समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रमों और जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए भारी फंड आवंटित किया गया है।
- सामाजिक समरसता वर्षः सरकार ने इस साल को 'सामाजिक समरसता वर्ष' के रूप में मनाने की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना है।
- बाबासाहेब आंबेडकर शताब्दीः रायगढ़ जिले में बुनियादी ढांचे के विकास और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण के लिए विशेष निधि का प्रावधान किया गया है।
- हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे स्मारकः मुख्यमंत्री ने गर्व के साथ घोषणा की कि बालासाहेब ठाकरे स्मारक का निर्माण कार्य अब पूर्णता की ओर है और जल्द ही इसे जनता को समर्पित किया जाएगा।

वढवण में बसेगी 'चौथी मुंबई'

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बजट 2026-27 में राज्य के शहरी विकास को नई दिशा देते हुए 'चौथी मुंबई' बनाने की घोषणा की है। मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) के विस्तार और बढ़ती आबादी के दबाव को कम करने के लिए पालघर जिले के वढवण क्षेत्र को एक नए महानगर के रूप में विकसित किया जाएगा। यह परियोजना वढवण बंदरगाह के आसपास विकसित होगी, जिससे व्यापार, लॉजिस्टिक्स और आधुनिक शहरी आवास को बढ़ावा मिलेगा। यह पहल महाराष्ट्र को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने और मुंबई-पुणे क्षेत्र को 50 अरब डॉलर के आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करने के विजन का अहम हिस्सा मानी जा रही है।

इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ा फोकस

राज्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए सरकार ने बड़े पैमाने पर मेट्रो और एक्सप्रेसवे नेटवर्क के विस्तार का लक्ष्य रखा है। इसके तहत 1200 किलोमीटर मेट्रो मार्ग और 6000 किलोमीटर एक्सप्रेसवे विकसित किए जाएंगे। वर्ष 2029 तक 165 किलोमीटर नए मेट्रो कॉरिडोर का निर्माण पूरा करने की योजना है। मुंबई और पुणे जैसे शहरों में यातायात की समस्या को कम करने के लिए भूमिगत सुरंगों का निर्माण भी किया जाएगा। साथ ही दक्षिण मुंबई को समृद्धि महामार्ग से जोड़ने का काम 2028 तक पूरा करने और वर्सोवा-भाईंदर कोस्टल रोड को दिसंबर 2028 तक शुरू करने का लक्ष्य तय किया गया है।

आवास और झोपड़पट्टी पुनर्वास पर जोर

बजट में आम नागरिकों को किफायती आवास उपलब्ध कराने पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि एमएमआर क्षेत्र में 10 लाख नए किफायती घर बनाए जाएंगे। इसके अलावा 20 लाख झोपड़पट्टी घरों के पुनर्वास की बड़ी योजना भी तैयार की गई है। शहरों में अनियंत्रित विस्तार को रोकने के लिए नए अवैध निर्माणों पर सख्ती से रोक लगाने का रोडमैप भी तैयार किया गया है।

बुलेट ट्रेन को मिलेगी रफ्तार

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर भी सरकार ने प्रगति की जानकारी दी है। मुख्यमंत्री के अनुसार इस परियोजना के तीन स्टेशनों का निर्माण कार्य 2027 तक पूरा कर लिया जाएगा। इससे मुंबई और गुजरात के बीच तेज और आधुनिक रेल संपर्क स्थापित होगा, जो व्यापार और यात्रियों दोनों के लिए लाभकारी साबित होगा।

क्रिएटिव टेक्नोलॉजी और गेमिंग को बढ़ावा

महाराष्ट्र को क्रिएटिव टेक्नोलॉजी और गेमिंग के क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाने के लिए भी बजट में महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल की गई हैं। राज्य में 295 से अधिक गेमिंग स्टूडियो विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही केंद्र सरकार के सहयोग से मुंबई में 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी' स्थापित किया जाएगा।

1 हजार आबादी वाले गांवों को कंक्रीट सड़कों से जोड़ा जाएगा

मुंबई। बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की कि राज्य में 1 हजार की आबादी वाले गांवों को भी कांक्रीट सड़कों से जोड़ा जाएगा। उन्होंने मुंबई से लेकर गोंदिया तक विभिन्न सड़क परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए इनके लिए पर्याप्त फंड आवंटित करने की बात कही, हालांकि बजट भाषण में इसका सटीक आंकड़ा नहीं बताया गया।

सूरज से रोशन होगा हर घर

'हरित महाराष्ट्र' के लिए ₹3 लाख करोड़ का मास्टरप्लान

- 2035 तक 65% बिजली होगी 'हरित'
- 100 यूनिट बिजली खर्च करने वालों को मुफ्त सोलर पैनल

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पर्यावरण संरक्षण और शाश्वत विकास को ध्यान में रखते हुए बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'हरित महाराष्ट्र' के तहत कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। सरकार ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और ऊर्जा क्षेत्र को सशक्त करने के लिए दीर्घकालीन योजनाओं का खाका पेश किया है। इन योजनाओं के माध्यम से राज्य को हरित ऊर्जा और स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

राज्य सरकार ने वर्ष 2029 तक 50 प्रतिशत और 2035 तक 65 प्रतिशत हरित ऊर्जा प्राप्त करने का लक्ष्य तय किया है। इस महत्वाकांक्षी योजना को पूरा करने के लिए लगभग 3 लाख करोड़ रुपए के निवेश की उम्मीद जताई गई है। ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने के लिए 55 पंप स्टोरेज परियोजनाओं के लिए करार किए गए हैं, जिनसे 78,215 मेगावाट बिजली उत्पादन की संभावना है। फिलहाल इनमें से छह परियोजनाओं का काम शुरू हो चुका है, जिनसे करीब 10,300 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा।

सौर ऊर्जा में मजबूत स्थिति

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत महाराष्ट्र सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। राज्य के लगभग 4.57 लाख उपभोक्ताओं ने 1,735 मेगावाट क्षमता के रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित किए हैं, जिसके लिए 3,200 करोड़ रुपए का अनुदान दिया गया है। अब 'स्वयंपूर्ण महाराष्ट्र आवासीय रूफटॉप सोलर योजना' के तहत 0 से 100 यूनिट बिजली उपयोग करने वाले मध्यमवर्गीय परिवारों को भी सोलर ऊर्जा से जोड़ने की योजना बनाई गई है।

प्रदूषण कम करने के लिए नई नीति

प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए सरकार ने पुराने वाहनों को स्क्रैप कर नए वाहन खरीदने पर मोटर वाहन कर में 15 प्रतिशत तक की छूट देने का निर्णय लिया है। बीएस-4 और उससे ऊपर के वाहनों पर 16 प्रतिशत तथा बीएस-3 और उससे नीचे के वाहनों पर 30 प्रतिशत कर छूट दी जाएगी। इसके साथ ही पुराने निजी वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए पर्यावरण कर को दोगुना कर दिया गया है।

वृक्षारोपण और वन विरासत संरक्षण

पर्यावरण संतुलन को मजबूत करने के लिए राज्य में 300 करोड़ वृक्ष लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा चंद्रपुर जिले के बल्लारपुर में ऐतिहासिक सागवान विरासत के संरक्षण और अनुसंधान के लिए 'टिंबर म्यूजियम और ज़ायलैरियम' की स्थापना की जाएगी। सरकार का मानना है कि इन योजनाओं से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि वन संपदा के प्रति लोगों में जागरूकता भी बढ़ेगी।

मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा बैठक

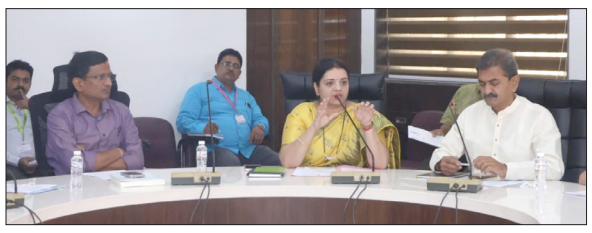

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

भाईंदर में मानसून की तैयारियों को लेकर महापौर डिंपल विनोद मेहता ने मीरा-भाईंदर महानगरपालिका मुख्यालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ संयुक्त समीक्षा बैठक की। बैठक में उप महापौर ध्रुवकिशोर मनसाराम पाटिल, स्थायी समिति अध्यक्ष हसमुख गहलोत, अतिरिक्त आयुक्त डॉ. संभाजी पनपत्ते, उपायुक्त (ठोस अपशिष्ट प्रबंधन) डॉ. सचिन बंगर, नगर अभियंता दीपक खाम्बीत तथा एमएमआरडीए सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में शहर की मानसून पूर्व तैयारियों और नालों की सफाई से जुड़े कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

चर्चा के दौरान शहर के कुल 208 छोटे-बड़े नालों की सफाई की योजना और वर्तमान स्थिति पर विस्तार से विचार किया गया। अधिकारियों ने मानसून के दौरान जलभराव की संभावित जगहों और नाली सफाई में आने वाली बाधाओं की जानकारी दी। महापौर ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि नालों की सफाई का कार्य तय समय सीमा में और योजनाबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि बारिश के समय नागरिकों को जलभराव जैसी समस्याओं का सामना न करना पड़े।

समन्वय से जल निकासी व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश

बैठक में सदाबहार वन क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने, रेलवे लाइन के किनारे नालों की सफाई तथा विभिन्न प्राधिकरणों के अधिकार क्षेत्र में आने वाली जल निकासी से जुड़े कार्यों को समन्वय के साथ पूरा करने पर भी चर्चा हुई। महापौर डिंपल मेहता ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मानसून से पहले सभी आवश्यक सावधानियां बरती जाएं और जलभराव की समस्या को रोकने के लिए सभी विभाग मिलकर प्रभावी ढंग से काम करें।

पीसीपीएनडीटी कानून उल्लंघन पर सोनोग्राफी केंद्र सील

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका के चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग ने शहर में एक सोनोग्राफी केंद्र पर कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया है। यह कार्रवाई पीसीपीएनडीटी (गर्भाधान पूर्व एवं प्रसवपूर्व निदान तकनीक) अधिनियम के उल्लंघन के मामले में की गई। चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मोहिनी धर्म के मार्गदर्शन में अधिकारियों की टीम ने 23 फरवरी 2026 को उल्हासनगर-5 स्थित भगवान अस्पताल के सोनोग्राफी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाया गया कि केंद्र में अधिनियम के नियमों का सही ढंग से पालन नहीं किया जा रहा था।

मशीन का दुरुपयोग, अप्रशिक्षित व्यक्ति चला रहा था उपकरण

निरीक्षण में यह भी सामने आया कि केंद्र पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत पंजीकृत होने के बावजूद सोनोग्राफी मशीन का दुरुपयोग किया जा रहा था। मौके पर एक अप्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा मशीन संचालित की जा रही थी, जो नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मनपा ने अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए केंद्र को सील कर दिया तथा धारा 20(2) के तहत उसका पंजीकरण भी रद्द कर दिया। प्रशासन ने शहर के सभी चिकित्सा केंद्रों को कानून का कड़ाई से पालन करने की चेतावनी दी है और नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की बात कही है।

अब सुरक्षित रहेंगे नौनिहाल

- ठाणे जिला परिषद के 524 स्कूलों में सीसीटीवी का काम पूरा
- शाहापुर और मुरबाड के 750 से ज्यादा स्कूलों में जल्द लगेंगे कैमरे

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

जिले में विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला परिषद के अंतर्गत आने वाले स्कूलों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। यह योजना मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजीत यादव के मार्गदर्शन में तेजी से लागू की जा रही है। वर्ष 2024-25 के प्रावधान के तहत जिला नियोजन समिति के माध्यम से पहले चरण में 542 स्कूलों में सीसीटीवी लगाने का कार्य शुरू किया गया है, जिसमें अब तक 524 स्कूलों में यह काम पूरा हो चुका है।

योजना के अंतर्गत कल्याण तहसील के 120, भिवंडी के 308 और अंबरनाथ तहसील के 96 स्कूलों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं, जबकि 18 स्कूलों में कार्य प्रगति पर है। शिक्षा विभाग के माध्यम से इन स्कूलों में निगरानी व्यवस्था मजबूत की जा रही है ताकि परिसर में होने वाली गतिविधियों पर नजर रखी जा सके और किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

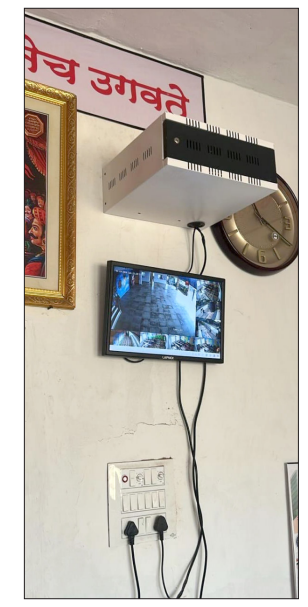

अगले चरण में सैकड़ों स्कूल शामिल

जिला नियोजन समिति ने वर्ष 2025-26 के लिए भी इस योजना को मंजूरी दे दी है। इसके तहत मुरबाड समूह के 329 स्कूलों में मार्च 2026 के अंत तक और शाहापुर समूह के 457 स्कूलों में अप्रैल 2026 के अंत तक सीसीटीवी सिस्टम स्थापित कर दिए जाएंगे। शिक्षा अधिकारी बालासाहेब राक्षे के अनुसार, इस पहल से स्कूलों में पढ़ाई का माहौल अधिक सुरक्षित, अनुशासित और पारदर्शी बनेगा।

शहर में होगा ग्रामीण महिला नेतृत्व परिषद का आयोजन

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

ग्रामीण भारत में आत्मनिर्भर महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके नेतृत्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'विकसित भारत नारी शक्ति संगम' नामक ग्रामीण महिला नेतृत्व परिषद का आयोजन 8 और 9 मार्च को भाईंदर के उत्तन स्थित रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी में किया जाएगा। यह कार्यक्रम महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (MSRLM) के सहयोग से आयोजित हो रहा है, जिसका उद्घाटन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस करेंगे। विश्व महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 500 ग्रामीण महिलाएं हिस्सा लेंगी। इन महिलाओं ने व्यवसाय, उद्योग, राजनीति और सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। सम्मेलन में उनके अनुभवों और उपलब्धियों को साझा किया जाएगा, जिससे अन्य महिलाओं को प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम में काजू व्यवसाय से जुड़ी प्रणाली गावड़े, कपड़ा व्यवसायी ज्योति तागड़े, स्वयं सहायता समूह की रेखा चव्हाण तथा कोकम बटर व्यवसाय से जुड़ी जागृति पोटले जैसी सफल महिलाएं अपने अनुभव साझा करेंगी। इनकी सफलता की कहानियां ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी।

सम्मेलन के प्रमुख अतिथि और मार्गदर्शक

सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर राज्य के विकास मंत्री जयकुमार गोरे, आरएमपी सदस्य रेखाताई महाजन और मीरा-भाईंदर महानगरपालिका की महापौर डिंपल मेहता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। इसके अलावा आरएमपी के उपाध्यक्ष डॉ. विनय सहस्रबुद्धे, सदस्य पोपटराव पवार और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अभिराम पाटिल भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह जानकारी पत्रकार परिषद में अभिराम पाटिल, सूरज आव्हाड, हर्षद पानसे और सुनील जंगम ने दी। सम्मेलन के दौरान आदर्श महिला नेतृत्व, सामाजिक परिवर्तन, महिलाओं की राजनीतिक यात्रा, परिवार और समाज की भूमिका तथा आत्मनिर्भरता जैसे विषयों पर चार प्रमुख सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में शोभाताई वाघमारे, संध्याताई कुलकर्णी और मल्लीनाथ कलशेट्टी मार्गदर्शन देंगे, जबकि अंतिम सत्र में पद्मश्री चैतराम पवार और पद्मश्री राहिताई पोपरे महिलाओं को प्रेरित करेंगे। आयोजकों का मानना है कि यह सम्मेलन ग्रामीण महिलाओं के नेतृत्व विकास और आत्मनिर्भरता को नई दिशा देगा।

अवैध निर्माण कार्य पर कार्रवाई, 11 दुकानें सील

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मुंब्रा के मित्तल ग्राउंड परिसर में चल रहे अवैध निर्माण के खिलाफ मनपा ने सख्त कार्रवाई करते हुए 11 दुकानों को सील कर दिया। क्लस्टर विकास योजना के तहत पहले ही निर्माण कार्य रोकने के आदेश जारी किए गए थे, इसके बावजूद नियमों का उल्लंघन कर तथाकथित 'अर्बन एम्पायर' इमारत में दुकानों का निर्माण किया जा रहा था। इस संबंध में बड़ी संख्या में शिकायतें मिलने के बाद सहायक आयुक्त के निर्देश पर संबंधित विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। उल्लेखनीय है कि इस इमारत पर कुछ दिन पहले भी अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई की गई थी, लेकिन निर्माण जारी रहने पर महाराष्ट्र मनपा अधिनियम और विकास नियंत्रण नियमों के तहत यह दंडात्मक कदम उठाया गया।

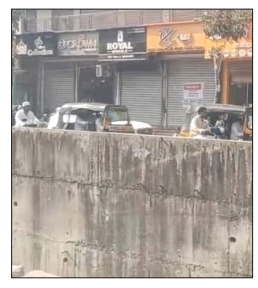

सील तोड़कर दुकानें खोलने का आरोप

सूत्रों के अनुसार मनपा द्वारा दोपहर करीब एक बजे दुकानों को सील किए जाने के बाद शाम के समय उन्हें दोबारा खोल दिए जाने का आरोप सामने आया है। यदि यह आरोप सही पाया जाता है तो इसे मनपा के आदेश का उल्लंघन और सरकारी कार्रवाई में बाधा डालने जैसा गंभीर अपराध माना जाएगा। बताया जा रहा है कि जिस भूखंड पर यह निर्माण किया गया है वह ठाणे मनपा की संपत्ति है और बिना वैध अनुमति के कब्जा कर निर्माण किया गया है। मनपा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उसकी संपत्ति पर किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण, अतिक्रमण या सील तोड़ने की घटना बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी तथा आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

पानी की कमी पर महापौर का दौरा

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

शहर के पैनल क्रमांक-12 में स्थित सम्राट अशोक नगर, वडोल गांव और आसपास के क्षेत्रों में पानी की भारी कमी को लेकर मनपा महापौर अश्विनी कमलेश निकम ने गुरुवार को मौके का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया।

वडोल गांव में जल संकट का लिया जायजा

पिछले कई दिनों से पानी की समस्या से जूझ रहे नागरिकों की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए महापौर ने जल आपूर्ति विभाग के अधिकारियों के साथ क्षेत्र का निरीक्षण किया और लंबित कार्यों को जल्द पूरा करने के सख्त निर्देश दिए।

पाइपलाइन का काम जल्द पूरा करने के निर्देश

वडोल गांव क्षेत्र में जल आपूर्ति सुधारने के लिए लगभग एक वर्ष पहले पाइपलाइन का काम शुरू किया गया था, लेकिन प्रशासनिक देरी के कारण यह अभी तक पूरा नहीं हो सका है। निरीक्षण के दौरान महापौर ने स्थानीय महिलाओं और नागरिकों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। नागरिकों ने अनियमित जल आपूर्ति और अधूरे कार्य को लेकर नाराजगी जताई। इसके बाद महापौर ने अधिकारियों को पाइपलाइन का काम तुरंत पूरा करने और तब तक वैकल्पिक व्यवस्था कर जल आपूर्ति बहाल रखने का निर्देश दिया।

सड़क चौड़ीकरण मामले में संघर्ष समिति का विरोध

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

कल्याण रोड व्यापारी व रहिवाशी संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका के नवनिर्वाचित महापौर नारायण चौधरी और उपमहापौर तारिक मोमिन से मुलाकात कर उनका स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। इस दौरान समिति की ओर से कुछ माह पूर्व मनपा प्रशासक द्वारा किए गए कथित सड़क चौड़ीकरण को लेकर एक विस्तृत ज्ञापन भी सौंपा गया।

महापौर और उपमहापौर से की मुलाकात

ज्ञापन में बताया गया कि डेवलपमेंट प्लान 2023 और मेट्रो प्रकल्प-5 के नाम पर 17 नवंबर 2025 को अंजूर फाटा से राजीव गांधी चौक तक सड़क के दोनों ओर 6-6 मीटर चौड़ीकरण के लिए मात्र 24 घंटे की नोटिस देकर हजारों दुकानों और मकानों को तोड़ दिया गया। इस कार्रवाई से बड़ी संख्या में व्यापारी और स्थानीय नागरिक बेघर व बेरोजगार हो गए। समिति ने यह भी कहा कि डेवलपमेंट प्लान 2023 अभी राज्य सरकार के पास लंबित है और नगर विकास विभाग से इसकी अंतिम मंजूरी नहीं मिली है।

प्रभावित लोगों को न्याय देने की मांग

समिति ने बताया कि मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने भी लिखित रूप में स्पष्ट किया है कि अंजूर फाटा से राजीव गांधी चौक तक सड़क चौड़ीकरण की मांग नहीं की गई थी। संघर्ष समिति ने महापौर और उपमहापौर से पूरे मामले की जांच कर प्रभावित नागरिकों को न्याय दिलाने की मांग की। साथ ही सुझाव दिया गया कि जब तक डेवलपमेंट प्लान 2023 को अंतिम मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक प्रभावित दुकानदारों को उनकी मूल जगह पर अस्थायी रूप से व्यवसाय करने की अनुमति दी जाए। इस अवसर पर समिति के कई पदाधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पानी बिल वसूली अभियान तेज

- सात दिनों में 4.22 करोड़ रुपए वसूले गए
- 103 पानी कनेक्शन काटे, 177 को नोटिस

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

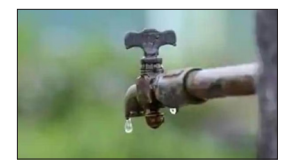

मनपा के जल आपूर्ति विभाग ने बकाया पानी बिलों की वसूली के लिए विशेष अभियान चलाते हुए 27 फरवरी से 5 मार्च 2026 के बीच शहर की विभिन्न प्रभाग समितियों से कुल 4 करोड़ 22 लाख 35 हजार 750 रुपए वसूल किए हैं। बकायादारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 103 पानी कनेक्शन काट दिए गए, 177 लोगों को नोटिस जारी किए गए, तीन स्थानों से पंप जब्त किए गए और एक पंप रूम को सील किया गया। वसूली के आंकड़ों में मानपाड़ा प्रभाग समिति सबसे आगे रही, जहां से 1 करोड़ 14 लाख 65 हजार 750 रुपए वसूले गए। इसके अलावा कलवा प्रभाग समिति से 59 लाख 5 हजार 557 रुपए वसूले गए और 35 कनेक्शन काटे गए। नौपाड़ा प्रभाग समिति से 52 लाख 98 हजार 941 रुपए की वसूली हुई, जहां 31 कनेक्शन काटे गए और 60 लोगों को नोटिस जारी किए गए। वर्तकनगर प्रभाग समिति से 49 लाख 94 हजार 751 रुपए वसूले गए और पांच कनेक्शन काटे गए।

2399 प्रकार की बीमारियों का मुफ्त इलाज

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि महात्मा फुले और अन्य स्वास्थ्य योजनाओं के तहत मुफ्त इलाज मिलने वाली बीमारियों की संख्या 1056 से बढ़ाकर 2399 कर दी गई है। साथ ही योजना से जुड़े अस्पतालों की संख्या 1792 से बढ़ाकर 4537 कर दी गई है!

पुरानी गाड़ी रखेंगे तो होगी आपकी जेब ढीली

- सरकार ने कर दिया टैक्स का भार दूना
- नई गाड़ी की खरीद पर 30% तक टैक्स राहत

देवेंद्रनाथ जैस्वार | मुंबई

महाराष्ट्र के बजट 2026-27 में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रदूषण के खिलाफ एक 'कड़क' नीति अपनाई है। अब पुरानी और धुआं छोड़ने वाली गाड़ियाँ रखना जेब पर भारी पड़ेगा, वहीं अपनी पुरानी गाड़ी को 'अलविदा' कहकर नई गाड़ी लेने वालों को सरकार ने बड़ा इनाम देने का वादा किया है।

"ये कदम ज्यादा ईंधन खपत करने वाली गाड़ियों के उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए लिए उठाए जा रहे हैं। सरकार चाहती है कि राज्य के मोटर वाहन मॉडर्न हों और राज्य की एयर क्वालिटी सुधरे।

- **देवेंद्र फडणवीस,** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री

पुरानी गाड़ी मतलब 'डबल टैक्स'

अगर आप BS-4 या उससे पुरानी गाड़ी चला रहे हैं, तो अब आपको एन्वायरामेंट टैक्स पहले के मुकाबले दोगुना देना होगा। सरकार का मानना है कि ये गाड़ियाँ हवा को ज्यादा ज़हरीला बना रही हैं, इसलिए इन्हें सड़क पर रखना अब महंगा सौदा होगा। सरकार ने 'गाजर और छड़ी' की नीति अपनाई है। अगर आप अपनी पुरानी गाड़ी को स्क्रैप सेंटर में जमा कर देते हैं, तो नई गाड़ी खरीदते समय आपको मोटर व्हीकल टैक्स में जबरदस्त छूट मिलेगी।

'एयर क्वालिटी' सुधारने का मिशन

मुख्यमंत्री फडणवीस ने साफ कर दिया है कि इन कड़े फैसलों का मकसद राज्य के 'वाहन बेड़े' को आधुनिक बनाना है। सरकार चाहती है कि लोग ज्यादा माइलेज देने वाली और कम प्रदूषण फैलाने वाली गाड़ियाँ अपनाएं ताकि शहरों की हवा सांस लेने लायक बनी रहे।

ईंधन की खपत पर लगाम

ज्यादा तेल पीने वाली पुरानी गाड़ियों को हतोत्साहित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। इससे न केवल प्रदूषण कम होगा, बल्कि नई और आधुनिक गाड़ियों के आने से सड़क सुरक्षा में भी सुधार होगा।

छूट का '30-16' वाला गणित

छूट कितनी मिलेगी, यह इस पर निर्भर करेगा कि आपकी पुरानी गाड़ी कितनी ज़हरीली थी। BS-3 या उससे पुरानी गाड़ी: इसे स्क्रैप करने पर नई गाड़ी के टैक्स में 30% की भारी छूट मिलेगी। BS-4 या उससे ऊपर की गाड़ी: इसे स्क्रैप करने पर नई गाड़ी पर 16% की रियायत दी जाएगी।

छह नदी जोड़ परियोजनाओं को मिली मंजूरी

- वैनगंगा–नळगंगा समेत कई योजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति, लेकिन बजट में नहीं हुआ फंड का प्रावधान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राज्य सरकार ने वैनगंगा–नळगंगा समेत छह नदी जोड़ परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। इसकी जानकारी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दी। उन्होंने बताया कि वैनगंगा–नळगंगा, वैतरणा–उल्हास बेसिन का पानी गोदावरी में मोड़ने की योजना, दमणगंगा–वैतरणा–गोदावरी नदी जोड़ परियोजना, नार–पार गिरणा नदी जोड़ परियोजना, दमणगंगा–एकदरे–गोदावरी परियोजना और निरा–क*हा नदी जोड़ परियोजना को स्वीकृति दी गई है। हालांकि इन योजनाओं की घोषणा की गई है, लेकिन फिलहाल इनके लिए बजट में अलग से फंड का प्रावधान नहीं किया गया है।

हजारों करोड़ की परियोजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति

वैनगंगा–नळगंगा नदी जोड़ योजना को 94,968 करोड़ रुपये की लागत के साथ प्रशासनिक मंजूरी दी गई है। इसके तहत वैतरणा और उल्हास बेसिन के लगभग 54 टीएमसी अतिरिक्त पानी को गोदावरी बेसिन में मोड़ने की योजना है, जिसके लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इसके अलावा दमणगंगा–वैतरणा–गोदावरी नदी जोड़ परियोजना को 13,497 करोड़ रुपये, नार–पार गिरणा परियोजना को 7,465 करोड़ रुपये और दमणगंगा–एकदरे–गोदावरी परियोजना को 2,213 करोड़ रुपये की लागत के साथ प्रशासनिक मंजूरी दी गई है। वहीं बारामती और पुरंदर तालुकों के सूखा प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल और सिंचाई के लिए निरा–क*हा नदी जोड़ परियोजना लागू की जाएगी।

बाढ़ और सूखे से निपटने के लिए भी योजनाएं

सरकार ने कोल्हापुर और सांगली जिलों में बाढ़ और अन्य आपदाओं से निपटने के लिए विश्व बैंक की मदद से 2,240 करोड़ रुपये के "महाराष्ट्र राज्य प्रतिसादक्षम विकास कार्यक्रम" को भी मंजूरी दी है। इसके तहत कृष्णा बेसिन के बाढ़ के पानी को भीमा बेसिन के पश्चिम महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के सूखा प्रभावित क्षेत्रों की ओर मोड़ने की योजना है। वहीं एल नीनो के प्रभाव से संभावित सूखा जैसी स्थिति को देखते हुए जलयुक्त शिवार अभियान और जलसंवर्धन योजनाओं के माध्यम से जल संरक्षण और चारा विकास के उपाय किए जाएंगे। साथ ही विश्व बैंक के सहयोग से 5,000 करोड़ रुपये की लागत से "महाराष्ट्र नागरी जलपुरवठा, सांडपाणी व्यवस्थापन व पुनर्वापर प्रकल्प" भी लागू किया जाएगा, जिसके तहत शहरों में 100 प्रतिशत सीवेज ट्रीटमेंट और उसके पुन: उपयोग का लक्ष्य रखा गया है।

गोरेगांव–मुलुंड लिंक रोड परियोजना की लागत 800 करोड़ बढ़ी

स्थायी समिति की बैठक में सदस्यों ने उठाए सवाल, प्रशासन से मांगा स्पष्टीकरण

धीरज सिंह | मुंबई

गोरेगांव–मुलुंड लिंक रोड (GMLR) परियोजना के चौथे चरण की लागत में लगभग 800 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। इस मुद्दे को लेकर स्थायी समिति की बैठक में सदस्यों ने प्रशासन से जवाब मांगा। परियोजना के चौथे चरण के तहत मुलुंड स्थित पूर्वी एक्सप्रेस हाईवे से ऐरोली टोल नाका तक सड़क का विस्तार किया जाएगा। पहले इस काम के लिए 1382 करोड़ रुपये का ठेका दिया गया था, लेकिन अब इसकी लागत बढ़कर 2113 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजना

गोरेगांव–मुलुंड लिंक रोड मुंबई महानगरपालिका की एक महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजना है। करीब 12.20 किलोमीटर लंबी इस सड़क परियोजना को चार चरणों में पूरा किया जा रहा है। चौथे और अंतिम चरण के काम का प्रस्ताव शुक्रवार को हुई स्थायी समिति की पहली बैठक में मंजूरी के लिए रखा गया। इस दौरान कांग्रेस के गुटनेता अशरफ आजमी ने परियोजना के ठेके में कथित सांठगांठ का आरोप लगाया, जबकि शिवसेना (ठाकरे गुट) के वरिष्ठ नगरसेवक यशोधर फणसे ने भी इस मुद्दे का समर्थन करते हुए परियोजना की विस्तृत प्रस्तुति की मांग की।

फ्लाईओवर निर्माण और समयसीमा पर उठे सवाल

चौथे चरण के तहत पूर्वी एक्सप्रेस हाईवे पर मौजूदा फ्लाईओवर के ऊपर दूसरे स्तर पर नाहूर से ऐरोली टोल नाका तक केबल–स्टे फ्लाईओवर बनाया जाएगा। इस फ्लाईओवर की कुल लंबाई 1330 मीटर होगी, जिसमें 270 मीटर लंबे पहुंच मार्ग शामिल होंगे। इसके अलावा भविष्य में ट्रैफिक जाम से बचने के लिए पूर्वी एक्सप्रेस हाईवे और जीएमएलआर के जंक्शन पर चारों दिशाओं में फ्लाईओवर से मार्ग बदलने की सुविधा भी दी जाएगी।

टी-20 विश्व कप फाइनल के लिए चलेंगी विशेष ट्रेनें

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 8 मार्च 2026 को होने वाले टी-20 विश्व कप फाइनल मैच को देखते हुए मध्य रेल ने क्रिकेट प्रेमियों के लिए विशेष ट्रेन सेवाएं चलाने की घोषणा की है। मुंबई और पुणे से अहमदाबाद के बीच आने-जाने के लिए कुल चार विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी, ताकि दर्शक आसानी से मैच देखने पहुंच सकें और वापस लौट सकें।

पुणे–अहमदाबाद सुपरफास्ट विशेष ट्रेन

पुणे से अहमदाबाद के लिए ट्रेन संख्या 01417 सुपरफास्ट विशेष 7 मार्च 2026 को शाम 17:30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 05:30 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 01418, 9 मार्च 2026 को सुबह 02:00 बजे अहमदाबाद से चलकर दोपहर 12:10 बजे पुणे पहुंचेगी।

सीएसएमटी–अहमदाबाद एसी सुपरफास्ट विशेष ट्रेन

ट्रेन संख्या 01153 एसी सुपरफास्ट विशेष 7 मार्च 2026 को रात 22:05 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुंबई) से प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 06:40 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 01154, 9 मार्च 2026 को सुबह 04:00 बजे अहमदाबाद से चलकर उसी दिन दोपहर 12:55 बजे सीएसएमटी मुंबई पहुंचेगी। यह ट्रेन दादर, ठाणे, वसई रोड, सूरत और वडोदरा स्टेशनों पर ठहरेगी तथा इसमें 18 एसी 3-टियर इकॉनॉमी कोच और 2 जनरेटर कार लगाए जाएंगे।

मध्य रेल

शुद्धिपत्र संख्या –5

निविदा क्रमांक 71.25.5044, **विभाग/रेलवे।** स्टोर/मध्य रेलवे समापन: 23.03.2026 11:30 am **निविदा शीर्षक:** आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और चालू करने के लिए संशोधन 1) एनआईटी हेडर **फ़ील्ड का नाम:**– निविदा खुलने की तिथि/समय, **मौजूदा तिथि:**– 05/03/2026 11:30, **संशोधित तिथि:**– 23/03/2026 11:30 **977**

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

मध्य रेल

ओएचई संशोधन कार्य

ई–निविदा सं: बीबी.ईल.जीएसयू.ओएचई. 2025–26/3R3 दिनांक: 03.03.2026 भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं के लिये सिनियर मंडल बिजली इंजीनियर (गतिशक्ती युनिट), 3 रा तल, ओल्ड एरिया मैनेजर की इमारत, पी.डी'मेलो रोड, वाड़ीबंदर, मुंबई–400010 द्वारा प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निविदा (सिंगल पैकेट सिस्टम मे) **www.ireps.gov.in** वैबसाइट के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है। व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत निविदा स्वीकार नहीं कि जायेगी। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 08.04.2026 और समय 15.00 बजे तक है। निविदा उसी दिन 15.15 बजे के बाद खोली जाएगी। **कार्य विवरण:**– मध्य रेलवे के मुंबई मंडल में तलोजा पंचानंद गुड्स शेड में रेल स्तर की अतिरिक्त पूर्ण लंबाई वाली गुड्स हैंडलिंग लाइन के प्रावधान के संबंध में 25 केवी, एसी ओएचई संशोधन कार्य की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य।, **लगभग मूल्य (रुपये):**– Rs. 88.22 लाख, **बोली प्रतिभूति (Bid Security):**– Rs. 1,76,400/–, **ऑफर की वैधता:**– 60 दिन, **समापन की अवधि:**– 12 महिने (मॉन्सून सहित), निविदा का पूरा विवरण भारतीय रेल के कार्यालय के वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। पूर्ण निविदा दस्तावेज उपरोक्त वैबसाइट से डाउन लोड किया जा सकता है। **969**

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

IN THE COURT OF SMALL CAUSES AT MUMBAI (BANDRA BRANCH)

EXECUTION APPLICATION NO. 200114 OF 2025 IN R.A.E. & R. SUIT NO. 757 OF 2010

Smt. Shandhya Indresh Singh, Adult, aged about 32 years, Housewife, Residing at Room No.1, Sharma Chawl, Yusuf Patel Wadi (Known as Joseph Patel Wadi) Patelwadi, 7th Bunglow, Andheri (W), Mumbai –61 **...Applicant/Decree Holder**

Versus

1. Mr. Dhyan Singh (since deceased) Adult aged about 60 years, Inhabitant of Mumbai Occ: Business, residing at Room No. 6, Sharma Chawl, Yusuf Patel wadi (known as Joseph Patel Wadi) 7th Bunglow, Andheri (W), Mumbai –400061
1(a) Mrs. Savitri Thakur
1(b) Mrs. Raksha Mansingh Jaggi
1(c) Mrs. Daksha Ramesh Thakur
All residing at A-204, Sweta Park, R.N.P. Park, Bhayander (E), Thane – 401105
2. Mrs. Priti Awanish Singh, Residing at Village-Khataura, Post – Khataura, Tahsil – Pindra, District – Varanasi, Uttar Pradesh – 221204 **...Respondents/ Judgment Debtors**

To,
The defendants above named

WHEREAS, the Plaintiff herein had instituted **R.A.E & R Suit No. 757 of 2010** against the defendants seeking a decree of eviction in respect of the suit premises i.e. Room No.6, Sharma Chawl, Yusuf Patel wadi (also known as Joseph Patel Wadi), 7th Bunglow, Andheri (W), Mumbai – 400061. By judgement and decree dated 01/07/2025, this Hon'ble Court was pleased to pass decree in favour of the Plaintiff, directing the defendants to hand over vacant and peaceful possession of the suit premises to the Plaintiff within a period of three months from the date of the said decree.

AND WHEREAS, upon the failure of the defendants to comply with the aforesaid decree, the Plaintiff was constrained to initiate Execution Application No. 200114 OF 2025 for execution of the said decree.

AND WHEREAS, the Hon'ble Court, vide its order dated **07/02/2026** passed on Exhibit- 10/A has been pleased to direct that the Defendant No.1(a), (b), (c) and 2 be served with the notice of the Execution Application by the way of publication in any two of the local newspapers, namely., 'Do Baje Dopher' and 'Janvarta'. Pursuant to the said order, the Defendant No.1(a), (b), (c) and 2 are hereby called upon to appear in the above Execution Application before this Hon'ble Court, failing which such other person as the Court may deem fit and shall be appointed to represent the Defendant No.1(a), (b), (c) and 2 in the said matter.

You are hereby warm to appear in person or through your advocate in the Court Room No. 38 on 6th Floor Court of small Causes at Mumbai, Bandra, at Anant Kanekar Marg Bandra East, Mumbai: - 400 051, on **10th March 2026 at 2.45pm** failing which the matter will be heard and decided ex- parte against defendants.

Given under seal of the Court This 06th day of March 2026

(Smt. R.K. Kulkarni)
Additional Registrar
Court of the Small Causes
Bandra Branch, Mumbai-51

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल पश्चिम रेलवे, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, वाणिज्य विभाग, NFR सेक्शन, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400008

कार्य: मुंबई मंडल में विभिन्न NFR माध्यमों के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शन हेतु अनुबंध।

नीलामी कैटलॉग संख्या	ई-नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-82	24.03.2026 15:00

क्र. सं.	लॉट नंबर	स्थान/क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1.	ADVT-BCT-NSP-OSN-404-26-1 (Advertising – On Station Premise – Non Digital)	नालासोपारा स्टेशन पर 3 वर्षों की अवधि के लिए बल्क विज्ञापन अधिकार	1096	24.03.2026 15:30 बजे
2	ADVT-BCT-DDR-OSN-474-26-1 (Advertising – On Station Premise – Non Digital)	दादर (DDR) स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर 3 वर्षों की अवधि के लिए बल्क विज्ञापन अधिकार	1096	24.03.2026 15:40 बजे
3.	ADVT-BCT-DRD-OSN-197-26-2 (Advertising – On Station Premise – Non Digital)	दहानू (DRD) स्टेशन के प्लेटफॉर्म एवं फुट ओवर ब्रिज पर 80 बोर्डों के माध्यम से कुल 1,920 वर्ग फुट क्षेत्र में विज्ञापन अधिकार	1096	24.03.2026 15:50 बजे

संपर्क विवरण: लैंडलाइन: 022-67644212 ईमेल: acmadvtgbct@gmail.com
नोट: इच्छुक बोलीदाता IREPS वेबसाइट के e-Auction Leasing Module (**www.ireps.gov.in**) पर जाकर कैटलॉग के अंतर्गत उपलब्ध लॉट-वार विस्तृत जानकारी देख सकते हैं। **1192**

हमें लाइक करें: : facebook.com/WesternRly • हमें फालो करें: : X.com/WesternRly

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

विभाग – जल अभियंता विभाग

क्र.: कार्य.अभि.(परि.)/8829 / ज.मा.का. दिनांक: 06/03/2026

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका द्वारा निम्नलिखित विषय से संबंधित कार्यों के लिए इच्छुक निविदाकारों से ऑनलाइन ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा वितरण एवं बिक्री की तिथि और समय, निविदा बिक्री की अंतिम तिथि और समय आदि का विस्तृत विवरण बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in तथा महाटेंडर पोर्टल http://mahatenders.gov.in पर "निविदा अवलोकन" अनुभाग में प्रकाशित / अपलोड किया गया है।

क्र.	निविदा क्रमांक	निविदा का विषय
1	2026_MCGM_1284409-1	सहायक अभियंता जल कार्य (आपात मरम्मत विभाग) के कार्यालय के अंतर्गत विभिन्न यांत्रिक उपकरणों के विभागों का नवीनीकरण। निविदा जारी करने की तिथि: 07/03/2026 निविदा बिक्री की अंतिम तिथि: 12/03/2026

इच्छुक निविदाकार विस्तृत जानकारी के लिए महाटेंडर पोर्टल http://mahatenders.gov.in तथा बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in पर विजिट करें।।

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (परिरक्षण)
जल मापक कार्यशाला
बृहन्मुंबई महानगरपालिका

पीआरओ/3214/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

मध्य रेल

विभिन्न कार्यें

खुली ई–निवीदा सूचना सं –मरे/मंरेप्र (कार्य) बीबी/2026/12 दिनांक–05.03.2026
क्रम संख्या–1. कार्य का नाम:– डोंबिवली– मल्टी लेवल पार्किंग। अनुमानित मूल्य Rs.751.74 लाख ईएमडी Rs.525900 पूरा होने की अवधि – 12 महीने। **क्रम संख्या–2. कार्य का नाम:**– सीनियर डीईएन ईस्ट बीबी के अधिकार क्षेत्र में मोबाइल फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट (एमएफबीडब्ल्यू)। अनुमानित मूल्य 893.47 लाख रुपये ईएमडी 596700 रुपये पूरा होने की अवधि –12 महीने।, **क्रम संख्या–3. कार्य का नाम:**– A) दीवा–पनवेल सेक्शन में LC-3 km. 48/6-7 पर RUB की पूरी अप्रोच रोड पर कवर शेड और ज्यादा कैपेसिटी वाले पथरीले इलाके में सम्प का इंतज़ाम। B) पनवेल–दापोली: 69/9–70/0 पर RUB सम्प (LC–21) से पास की नदी तक 900mm डायमीटर का पाइप बिछाना। अनुमानित मूल्य Rs.427.06 लाख ईएमडी Rs.363500 पूरा होने का समय –12 महीने। **क्रम संख्या–4. कार्य का नाम:**– माटुंगा वर्कशॉप– एसएसई (कार्य) माटुंगा, W/S के तहत 24 महीने के लिए मेंटेनेंस के कामों के लिए सर्विस देना, जिसमें सामान की सप्लाई भी शामिल है। अनुमानित मूल्य Rs.224.51 लाख ईएमडी Rs.262300 पूरा होने का समय – 24 महीने। **क्रम संख्या–5. कार्य का नाम:**– सीनियर डीईएन/एनई सेक्शन के तहत एनई घाट में 1 साल यानी 2026 मानसून के दौरान रेलवे पेट्रोलमैन के साथ साथी को शामिल करके ट्रैक पेट्रोलिंग करना। अनुमानित मूल्य Rs.112.45 लाख ईएमडी Rs.206200 पूरा होने का समय – 4 महीने। **क्रम संख्या–6. कार्य का नाम:**– A) पनवेल–रोहा: पेन–कासु में LC-4 पर RUB के साथ मानसून नदी के रॉक बेड को नीचे करना। B) पनवेल–रोहा: km 78/6–7 पर RUB सम्प (LC–3) से पास के वॉटरवे ब्रिज 78/3 तक 900mm डायमीटर का पाइप बिछाना।C) पनवेल–रोहा: km–106/0–1 पर RUB सम्प (LC–17) से पास के निचले इलाके तक 900mm डायमीटर का पाइप बिछाना। अनुमानित मूल्य Rs.730.42 लाख ईएमडी Rs.515200 पूरा होने का समय – 12 महीने। **क्रम संख्या–7. कार्य का नाम:**– सीनियर डीईएन (दक्षिण) क्षेत्राधिकार में एडीईएन (टी) भायकला सेक्शन और एडीईएन (टी) ठाणे के अंतर्गत सीएसएमटी–कल्याण के बीच बीसीएम द्वारा ट्रैक की लिफ्टिंग। अनुमानित मूल्य Rs. 275.87 लाख ईएमडी Rs.287900 पूरा होने का समय –12 महीने। उक्त निविदा का, निविदा बंद करने की तारीख और समय क्र.1, 5 और 7 दिनांक 24.03.2026, क्र.2 दिनांक 31.03.2026, क्र.3 और 6 दिनांक 03.04.2026, क्र.4 दिनांक 27.03.2026 को 15.00 बजे तक और 15.00 बजे के बाद खोला जाएगा निविदा और शुद्धिपत्र के विवरण हेतुं अग्रदर्शी निविदाओं के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर भेट देने का अनुरोध है। इलेक्ट्रॉनिक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप सेटेंडर से ऊपर ई–टेंडर में भाग लिया जा सकता है और ई–टेंडर के खिलाफ मैनुअल स्ताव प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है। मैन्युअल रूप से, यदि प्रस्तुत किया गया है तो न तो खोला जाएगा और न ही माना जाएगा। **www.ireps.gov.in** वेबसाइट में प्राकृति क नियम के अनुसार उपलब्ध किए गएई पेमेन्ट के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के किसी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में जमा की जाएगी या जैसा कि निविदा दस्तावेजों में उल्लेख किया गया है। अतिरिक्त जानकारी के लिए संपर्क : मंडल रेल प्रबंध क (कार्य) कार्यालय, मध्य रेल। फोन: 022–67455323 यह विदाएं सार्वजनिक खरीदनीति आदेश 2017 दिनांक 16.9.2017 के अनुरूप है। निवीदाओं संबंधी संपूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी संपूर्ण विवरण उपरोक्त कार्यालय, मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), तीसरी मंजील, कंम्पूटरीकृत आरक्षण केंद्र केऊपर, छशिमटमुंबई–400001 के "नोटिसबोर्ड" पर भी उपलब्ध है। **972**

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

GOVERNMENT OF MAHARASHTRA
PUBLIC WORKS DEPARTMENT
EXECUTIVE ENGINEER, P.W. SPECIAL PROJECT DIVISION,
AAREY, MUMBAI 400 065 . Tel No 022-29272447
E-mail: spaarey.ee@mahapwd.com

Tender Notice No.32 for 2025-2026

Online Tender (e-tender) in "B-1" Form for the following work is invited by the Executive Engineer, Public Works Special Project Division, Aarey,Goregaon(E), Mumbai 400 065 from Competent bidder through Government of Maharashtra Electronic Tender Management System. Tender documents are available online on website https://mahatenders.gov.in. The right to accept or reject the above said e-tender without assigning any reason rests with the competent authority. Conditional tender shall not be accepted.

Sr.	Name of Work	Estimate Cost (Rs.)
1	Structural Strengthening and Renovation of Jagannath Shankarsheth Boys Hostel at Mumbai University, Fort, Mumbai.	2,19,99,876.00

E-Tender Schedule:-

1	.Period of downloading of tender	From Date 09/03/2026 @15:00 to Date 16/03/2026@15:00
2	.Pre-Bid Meeting	Date 12/03/2026 @15:00 In the office of the Superintending Engineer, Mumbai Construction Circle, Chembur, Mumbai 400071.
3.	Opening of Tender (Online)	Date 17/03/2026 @15:15, In the office of the Superintending Engineer, Mumbai Construction Circle, Chembur, Mumbai 400071.

All information of e-tendering is available on the following websites:-
1. https://mahapwd.com
2. https://mahatenders.gov.in
(If any changes occurred in tender notice, the same shall be available on above websites)
Tender notice is available on the Notice board of office of the Executive Engineer, Public Works Special Project Division, Aarey, Goregaon (E), Mumbai-400065.

No.EE/PWSPD/Aarey/TC/ 484
Office of The Executive Engineer, P.W.Special Project Division, Aarey,
Goregaon (E) Mumbai-400065 Date:- 04/03/2026

Sign/-
Assi. Executive Engineer,
P.W. Special Project Division,
C Aarey, Goregaon (E), Mumbai-65

DGIPR-2025-26/C-6371

संपादकीय

दूरदर्शी विकास का खाका

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा पेश किया गया वित्त वर्ष 2026–27 का बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि राज्य की आर्थिक और सामाजिक दिशा तय करने वाला एक व्यापक खाका है। लगभग 7.69 लाख करोड़ रुपये के इस बजट में किसानों की राहत, महिलाओं के सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे के विस्तार और भविष्य के उद्योगों के विकास पर एक साथ जोर दिखाई देता है। यह बजट ऐसे समय में आया है जब महाराष्ट्र देश की अर्थव्यवस्था का प्रमुख इंजन बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और 2047 तक राज्य को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा गया है। बजट का सबसे बड़ा और चर्चित फैसला किसानों के लिए घोषित 'पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर शेतकरी कर्जमाफी योजना' है। इसके तहत 2 लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफ करने का ऐलान किया गया है, जिससे लाखों किसानों को सीधी राहत मिलने की उम्मीद है। साथ ही समय पर कर्ज चुकाने वाले किसानों के लिए 50 हजार रुपये तक के प्रोत्साहन अनुदान का प्रावधान भी सरकार की संतुलित सोच को दर्शाता है। हालांकि, यह भी देखना होगा कि इस योजना का वित्तीय बोझ राज्य के खजाने पर कितना असर डालता है और इसका लाभ वास्तव में जरूरतमंद किसानों तक कितनी पारदर्शिता से पहुंच पाता है।इसी के साथ सरकार ने बुनियादी ढांचे के विस्तार को भी विकास का प्रमुख आधार बनाया है। मुंबई और नवी मुंबई के बीच प्रस्तावित एयरपोर्ट मेट्रो लाइन जैसे प्रोजेक्ट न केवल शहर की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएंगे, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति देंगे। वर्सोवा-दहिसर-भायंदर कोस्टल रोड, मेट्रो नेटवर्क का विस्तार और बुलेट ट्रेन स्टेशनों का विकास इस बात का संकेत है कि महाराष्ट्र आने वाले वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में बड़े निवेश का केंद्र बनने जा रहा है।

महिला सशक्तिकरण भी इस बजट का अहम पहलू है। 'माझी लाड़की बहिन' और 'लखपति दीदी' जैसी योजनाओं के माध्यम से लाखों महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का लक्ष्य रखा गया है। 25 लाख नई 'लखपति दीदी' तैयार करने का संकल्प यह बताता है कि सरकार महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि आर्थिक विकास की भागीदार बनाना चाहती है। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाओं की आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। इसके अलावा, सरकार ने भविष्य की अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र बांस नीति और AVGC पॉलिसी जैसे कदम भी उठाए हैं। इन पहलों के जरिए राज्य में हजारों करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करने और नए रोजगार पैदा करने की उम्मीद जताई जा रही है। साथ ही स्वास्थ्य क्षेत्र में नए AIIMS जैसे संस्थानों की स्थापना और कैंसर, मधुमेह तथा हृदय रोगों की जांच के लिए विशेष योजनाएं यह दर्शाती हैं कि बजट केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक सुरक्षा को भी प्राथमिकता देता है। कुल मिलाकर महाराष्ट्र का यह बजट विकास और कल्याण के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता दिखाई देता है। हालांकि 40,552 करोड़ रुपये के राजस्व घाटे और 1.50 लाख करोड़ रुपये के राजकोषीय घाटे जैसे आंकड़े सरकार के सामने वित्तीय अनुशासन बनाए रखने की चुनौती भी रखते हैं। आने वाले समय में असली परीक्षा इस बात की होगी कि इन घोषणाओं को कितनी तेजी और पारदर्शिता के साथ जमीन पर उतारा जाता है।

महाविनाश की आहट और वैश्विक राजनीति में भारत की भूमिका

अमित बृज
कार्यकारी संपादक

> भारत का स्पष्ट मानना है कि 'यह युद्ध का युग नहीं है'। भारत की तटस्थता का अर्थ निष्क्रियता नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण शांति की वकालत है। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह एक ओर पश्चिमी देशों (QUAD और अन्य) के साथ अपने प्रगाढ़ होते संबंधों को संभाले, तो दूसरी ओर रूस के साथ अपनी पुरानी मित्रता और ईरान जैसे ऊर्जा साझेदारों के हितों की रक्षा करे।

मानव सभ्यता का इतिहास गवाह है कि हमने अपनी प्रगति के लिए जितनी मेहनत की है, उससे कहीं अधिक संसाधन स्वयं के विनाश की तैयारियों में झोंक दिए हैं। आज जब हम इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में खड़े हैं, तब दुनिया एक बार फिर उसी खतरनाक मुहाने पर नजर आती है, जहां पिछली सदी में दो बार मानवता ने अपनी सबसे बड़ी गलतियां की थीं। विश्व राजनीति आज सहयोग और संवाद के बजाय अविश्वास और सैन्य होड़ के ऐसे अंधेरे रास्ते पर है, जहां से वापसी का हर मार्ग धुंधला होता जा रहा है। यदि हम इतिहास के पन्नों को पलटकर देखें, तो प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के परिणाम केवल राजनीतिक मानचित्रों का बदलना भर नहीं थे, बल्कि वे मानवीय संवेदनाओं के सामूहिक संहार की गाथाएं थीं। प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) ने आधुनिक युद्ध कला की विभीषिका से दुनिया का परिचय कराया था। आंकड़ों की दृष्टि से देखें तो इस युद्ध में लगभग 2 करोड़ लोग मारे गए। इस युद्ध में भारत का सन्दर्भ अत्यंत महत्वपूर्ण है; ब्रिटिश शासन के अधीन होने के बावजूद 13 लाख भारतीय सैनिकों ने सुदूर देशों में युद्ध लड़ा, जिनमें से लगभग 74,000 सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति दी। आर्थिक मोर्चे पर, उस समय के हिसाब से इस युद्ध की कुल लागत 186 अरब डॉलर से अधिक थी, जिसने वैश्विक अर्थव्यवस्था को महामंदी के गर्त में धकेल दिया। लेकिन विडम्बना यह रही कि इस महाविनाश के बाद भी दुनिया ने सबक नहीं सीखा। द्वितीय विश्व युद्ध (1939-1945) ने विनाश के पिछले सभी कीर्तिमानों को ध्वस्त कर दिया। यह इतिहास का सबसे घातक संघर्ष था, जिसमें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 7 से 8 करोड़ लोगों ने अपनी जान गंवाई। इस युद्ध में भारत की भागीदारी और भी बड़ी थी; लगभग 25 लाख भारतीय सैनिक मित्र राष्ट्रों की ओर से लड़े, जो इतिहास की सबसे बड़ी स्वैच्छिक सेना थी। भारत ने

न केवल सैनिक दिए, बल्कि अनाज और रसद की आपूर्ति के कारण देश के भीतर 'बंगाल का भीषण अकाल' भी झेला, जिसमें 30 लाख से अधिक भारतीय भूख से मर गए। हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बमों का गिरना विज्ञान के आत्मघाती चेहरे का प्रदर्शन था, जिसने पलक झपकते ही 2 लाख से अधिक निर्दोषों को राख में बदल दिया। इन दो महाविनाशों के बाद संयुक्त राष्ट्र (UN) जैसी संस्थाओं का गठन किया गया था, लेकिन वर्तमान वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए वे उम्मीदें अब दम तोड़ रही हैं। आज मध्यम पूर्व से लेकर यूक्रेन तक और दक्षिण चीन सागर से लेकर ताइवान जलडमरूमध्य तक, हर जगह युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं। वर्तमान राजनीति अब 'सक्रिय अस्थिरता' के युग में प्रवेश कर चुकी है। वैश्विक महाशक्तियां अब प्रत्यक्ष संघर्ष के बजाय 'प्रॉक्सी वॉर' के माध्यम से अपने हितों को साध रही हैं, जिसमें छोटे राष्ट्र शतरंज के मोहरों की तरह इस्तेमाल किए जा रहे हैं। आज दुनिया भर में कुल मिलाकर लगभग 12,100 परमाणु हथियार हैं, जिनमें से कई दुनिया के किसी भी कोने को मात्र 30 मिनट में तबाह कर सकते हैं। इस जटिल भू-राजनीतिक संकट में भारत की स्थिति अत्यंत विशिष्ट और चुनौतीपूर्ण है। भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और वह वैश्विक दक्षिण (Global South) की आवाज बनकर उभरा है। रूस-यूक्रेन संघर्ष हो या मध्यम पूर्व का तनाव, भारत ने अपनी 'रणनीतिक स्वायत्तता' (Strategic Autonomy) को बनाए रखा है। भारत का स्पष्ट मानना है कि 'यह युद्ध का युग नहीं है'। भारत की तटस्थता का अर्थ निष्क्रियता नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण शांति की वकालत है। भारत के लिए चुनौती यह है कि वह एक ओर पश्चिमी देशों (QUAD और अन्य) के साथ अपने प्रगाढ़ होते संबंधों को संभाले, तो दूसरी ओर रूस के साथ अपनी पुरानी मित्रता और ईरान जैसे ऊर्जा साझेदारों के हितों की रक्षा करे।

आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो आज की दुनिया पिछली सदियों की तुलना में कहीं अधिक परस्पर निर्भर है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए मध्यम पूर्व पर निर्भर है। यदि यह संकट फैलता है, तो भारत का व्यापारिक घाटा और महंगाई दर अनियंत्रित हो सकती है। स्वेज नहर के रास्ते होने वाला भारत का वार्षिक व्यापार, जो अरबों डॉलर का है, आज सुरक्षा के गंभीर संकट से जूझ रहा है। ऐसी स्थिति में भारत को अपनी नौसेना की सक्रियता और वैकल्पिक व्यापारिक मार्गों (जैसे IMEC कॉरिडोर) पर तेजी से काम करना होगा।

निष्कर्षतः, आज विश्व राजनीति एक अत्यंत संवेदनशील मोड़ पर है। सैन्य गठबंधन और विस्तारवादी नीतियां शांति के बजाय असुरक्षा की भावना को बल दे रही हैं। इतिहास हमें सिखाता है कि युद्ध कभी भी समस्याओं का समाधान नहीं होते। परमाणु युग में 'विजय' का कोई अस्तित्व नहीं है, यहां केवल 'सामूहिक विनाश' या 'सामूहिक सह-अस्तित्व' के दो ही विकल्प शेष हैं। भारत जैसे शांतिप्रिय राष्ट्र की जिम्मेदारी अब और बढ़ गई है कि वह दुनिया को 'वसुधैव कुटुम्बकम' के मार्ग पर ले जाए। समय आ गया है कि दुनिया संवेदनाओं को जगाए और बारूद की गंध के बीच संवाद की भाषा को पुनः स्थापित करे, अन्यथा अगला युद्ध आंकड़ों में गिनने के लिए शायद कोई बचेगा ही नहीं।

हमारी गीता

नैराश्य और मोह का द्वंद्व

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

मनुष्य के जीवन में जब मानसिक शोक और संशय का उदय होता है, तब वह ज्ञान को प्रतिबंधित कर देता है। यही स्थिति 'नैराश्य' को जन्म देती है, जहां जीने की जीजीविषा और कर्म करने की इच्छा समाप्त हो जाती है। जब मन में कोई लक्ष्य या अभिलाषा शेष नहीं रहती, तब मनुष्य कर्म से विमुख होने लगता है। कुरुक्षेत्र के मैदान में अर्जुन की स्थिति भी कुछ ऐसी ही थी। शंख बज चुके थे और बाणों की बौछार शुरू होने ही वाली थी, तभी अर्जुन के भीतर का योद्धा गहन विषाद में डूब गया।

अर्जुन भगवान श्री कृष्ण से कहता है, ₹हे कृष्ण! मुझे इस युद्ध में कोई श्रेय दिखाई नहीं दे रहा है।₹ वह युद्ध के दोनों प्रकार के फलों—अदृष्ट (स्वर्ग प्राप्ति) और दृष्ट (विजय, राज्य, सत्ता)—को ठुकरा देता है। अर्जुन का यह कथन, ₹न काङ्क्षे विजयं कृष्ण न च राज्यं सुखानि च₹, उसके भीतर व्याप्त वैराग्य नहीं, बल्कि मोह जनित नैराश्य का प्रतीक है। वह स्पष्ट कहता है कि उसे न विजय चाहिए, न राज्य और न ही सुख।

जब कर्तव्य की बात आती है, तब अर्जुन तर्क देता है कि जिन सगे-संबंधियों और गुरुजनों के लिए वह राज्य और भोग चाहता था, वे ही आज प्राण त्यागने के लिए सामने खड़े हैं। वह भीष्म पितामह, आचार्य द्रोण, मामा, ससुर और पौत्रों का उल्लेख करते हुए कहता है कि ये सभी वध के योग्य नहीं हैं। अर्जुन के मन में जो 'कृपा' भरी है, वह वास्तव में धर्म-संकट और मोह का मिश्रण है। वह कहता है कि यदि ये लोग लोभ वश मुझे मार भी दें, तब भी मैं इन्हें मारना नहीं चाहता। उसके लिए पृथ्वी तो क्या, तीनों लोकों का राज्य भी इस गुरुतर पाप के सामने तुच्छ है। नैराश्य का बली बना अर्जुन अब युद्ध नहीं करना चाहता। उसे न तो कर्म में 'श्रेय' (कल्याण) दिख रहा है और न ही सांसारिक 'प्रेय' (प्रिय वस्तुएं) उसे आकर्षित कर रही हैं। अर्जुन की यह मनःस्थिति दर्शाती है कि जब कर्तव्य पथ पर मोह हावी होता है, तब श्रेष्ठ धनुर्धर भी कायरता को 'करुणा' का नाम देकर पलायन करने लगता है।

शख्सियत — अज्ञेय

साहित्य के जाज्वल्यमान नक्षत्र और संघर्ष के प्रतीक

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' केवल एक साहित्यकार का नाम नहीं है, बल्कि यह आधुनिक हिंदी साहित्य के उस मोड़ का नाम है जहां से कविता और गद्य ने एक नई करवट ली। 7 मार्च, 1911 को उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में जन्मे 'अज्ञेय' का संपूर्ण जीवन एक अनवरत संघर्ष, गहरी बौद्धिकता और अटूट जिजीविषा की गाथा है। उनके व्यक्तित्व में एक ओर एक क्रांतिकारी की तड़प थी, तो दूसरी ओर एक दार्शनिक की शांति।

अज्ञेय का बचपन उनके पिता (जो एक प्रसिद्ध पुरातत्ववेत्ता थे) के साथ भारत के विभिन्न हिस्सों में बीता, जिसने उनकी दृष्टि को व्यापक और जिज्ञासु बनाया। उनके जीवन का सबसे बड़ा संघर्ष तब शुरू हुआ जब वे मद्रास और लाहौर में अपनी पढ़ाई के दौरान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी आंदोलन से जुड़ गए। वे भगत सिंह के नेतृत्व वाली 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' (HSRA) के सक्रिय सदस्य बने। बम बनाने और क्रांतिकारी गतिविधियों में संलिप्तता के कारण उन्हें गिरफ्तार किया गया और 1930 से 1934 के बीच का समय उन्होंने जेल की कालकोठरी और नजरबंदी में बिताया। जेल की उन एकाकी रातों ने ही उनके भीतर के लेखक को जन्म दिया। उनके प्रसिद्ध उपन्यास 'शेखरः एक जीवनी' की नींव इन्हीं जेल की दीवारों के बीच पड़ी थी। जेल से छूटने के बाद भी उनका संघर्ष थमा नहीं; उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सेना में भी सेवा दी, जिसने उन्हें जीवन और मृत्यु के बीच के सूक्ष्म अंतर को समझने का अवसर दिया।

अज्ञेय को हिंदी साहित्य में 'प्रयोगवाद' और 'नई कविता' का प्रवर्तक माना जाता है। उनका सबसे युगांतकारी योगदान 'तार सप्तक' (1943) का संपादन था, जिसने हिंदी कविता के स्थापित ढांचों को तोड़कर नए कवियों और नए प्रयोगों को मंच दिया। उन्होंने कविता को केवल छंद और अलंकार से मुक्त नहीं किया, बल्कि उसे आधुनिक मनुष्य की जटिलताओं, कुंठाओं और आशाओं से जोड़ा।

उनकी काव्य कृति 'कितनी नावों में कितनी बार' के लिए उन्हें 1978 में 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। उनके उपन्यास 'शेखरः एक जीवनी', 'नदी के द्वीप' और 'अपने-अपने अजनबी' हिंदी गद्य की श्रेष्ठतम रचनाएं मानी जाती हैं। उन्होंने 'दिनमान' और 'नवभारत टाइम्स' जैसे पत्रों का संपादन कर हिंदी पत्रकारिता को एक नई गरिमा और बौद्धिक ऊंचाई प्रदान की। उनकी रचनाओं में व्यक्ति की स्वतंत्रता और उसकी निजता का स्वर हमेशा मुखर रहा। अज्ञेय का व्यक्तित्व अत्यंत गंभीर, अंतर्मुखी और गरिमामय था। वे 'कम बोलना और अधिक सृजन करना' के सिद्धांत में विश्वास रखते थे। उनके व्यक्तित्व में पूर्व और पश्चिम का अद्भुत समन्वय था; जहां उन्होंने भारतीय उपनिषदों का गहराई से अध्ययन किया था, वहीं वे पाश्चात्य दर्शन और विज्ञान की नई खोजों से भी भली-भांति परिचित थे। वे केवल एक लेखक नहीं थे, बल्कि एक कुशल फोटोग्राफर, अन्वेषक और घुमक्कड़ भी थे। उनकी यात्रा वृत्तांत 'अरे यायावर रहेगा याद' उनके इसी यायावरी स्वभाव का जीवंत दस्तावेज है।

जीवन ऊर्जा

सर जॉन हर्शेल : जन्म - 7 मार्च, 1792 — जन्म

> प्रसिद्ध अंग्रेज वैज्ञानिक सर जॉन हर्शेल का जन्म 7 मार्च, 1792 को इंग्लैंड में हुआ था। वे एक महान खगोलशास्त्री और रसायनज्ञ थे, जिन्होंने हजारों सितारों की खोज की। उन्होंने ही 'फोटोग्राफी', 'पॉजिटिव' और 'नेगेटिव' जैसे शब्दों का आविष्कार किया। विज्ञान जगत को समृद्ध करने वाले इस महान व्यक्तित्व का निधन 11 मई, 1871 को हुआ।

सत्य की खोज ही मनुष्य का परम कर्तव्य है

विज्ञान वह भाषा है जिसमें प्रकृति हमसे बात करती है। खगोल विज्ञान मानवीय गरिमा को ब्रह्मांड की विशालता से जोड़ता है। सत्य की खोज ही मनुष्य का परम कर्तव्य है। कल्पना के बिना गणित अधूरा है। प्रयोग ही ज्ञान की अंतिम कसौटी है। सूक्ष्म अवलोकन ही महान खोजों का आधार है। प्रकृति का हर नियम एक दिव्य व्यवस्था का संकेत है। फोटोग्राफी केवल छवि नहीं, बल्कि प्रकाश द्वारा लिखा गया इतिहास है। ब्रह्मांड की अनंतता हमारे अहंकार को मिटाती है। ज्ञान का संचय मानवता की सामूहिक विरासत है। तारों का अध्ययन हमें समय की सीमाओं से परे ले जाता है। रसायन विज्ञान पदार्थों के रहस्य खोलने की कुंजी है। एक वैज्ञानिक को हमेशा सीखने के लिए तत्पर रहना चाहिए। तर्क और प्रमाण के बिना कोई भी सिद्धांत व्यर्थ है। विफलता ही सफल अनुसंधान की पहली सीढ़ी है। जिज्ञासा ही प्रगति का असली इंजन है। प्रकाश का परावर्तन जीवन की सच्चाई को दर्शाता है। गणितीय समीकरणों में एक अद्भुत संगीत छिपा होता है। अन्वेषण का अर्थ है उस तक पहुंचना जिसे अब तक देखा नहीं गया। सौरमंडल की संरचना ईश्वर की महान इंजीनियरिंग है। धैर्य और एकाग्रता ही शोधकर्ता के असली

मित्र हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि सोच को विकसित करना है। हर तारा अपनी एक अलग कहानी सुनाता है। मापन की सटीकता ही विज्ञान की आत्मा है। परिवर्तन ही विकास का एकमात्र मार्ग है। भविष्य की नींव वर्तमान के शोध पर टिकी होती है। मानवता का कल्याण ही विज्ञान का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। ग्रहों की गति एक शाश्वत लय का हिस्सा है। सूक्ष्मदर्शी और दूरबीन हमारे ज्ञान की सीमाओं को विस्तार देते हैं। सिद्धांतों को हमेशा तथ्यों के तराजू पर तौलना चाहिए।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

शेषनाग और कलश स्थापना का रहस्य

भवन निर्माण की प्रक्रिया में 'नींव पूजन' का विशेष महत्व है, जो केवल एक कर्मकांड नहीं बल्कि एक गहरा आध्यात्मिक और मनोवैज्ञानिक विश्वास है। श्रीमद्भागवत महापुराण के पांचवें स्कंद के अनुसार, पृथ्वी के नीचे सात लोक—अतल, वितल, सुतल, तलातल, महातल, रसातल और पाताल स्थित हैं। इन पातालों में दिव्य मणियां अंधकार दूर करती हैं और काल का भय नहीं रहता। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इन सबके नीचे भगवान शेषनाग अपने हजार फणों पर संपूर्ण पृथ्वी को धारण किए हुए हैं। महाभारत के भीष्म पर्व में भी उल्लेख है कि 'अनंत' नामक देवस्वरूप शेषनाग ही पर्वतों सहित इस चराचर जगत के आधार हैं। जब वे अपने फण हिलाते हैं, तभी पृथ्वी पर कंपन होता है। इसी महान शक्ति का आह्वान करने के लिए घर की नींव में चांदी या तांबे के सर्प को स्थापित किया जाता है, ताकि भवन को स्थिरता और मजबूती प्राप्त हो सके।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

नींव में सर्प गाड़ने के पीछे मुख्य उद्देश्य 'मनोवैज्ञानिक सुरक्षा' और समर्पण का भाव है। गृहस्वामी का यह दृढ़ विश्वास होता है कि जिस प्रकार शेषनाग अनंत काल से इस विशाल पृथ्वी का भार उठाए हुए हैं, ठीक उसी प्रकार वे इस नए भवन की नींव को भी अपने फणों पर संभाल लेंगे। यह स्थापना इस प्रार्थना का प्रतीक है कि हमारा घर दैवीय शक्तियों के संरक्षण में रहे और किसी भी प्राकृतिक या भौतिक आपदा से सुरक्षित रहे। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता के दसवें अध्याय के 29वें श्लोक में स्वयं कहा है— ₹अनन्तश्चास्मि नागानाम्₹ अर्थात् मैं नागों में शेषनाग हूं। इस प्रकार, नींव में नाग की पूजा करना

साक्षात ईश्वर की उस धारण करने वाली शक्ति की पूजा करना है, जो संपूर्ण ब्रह्मांड को पिरोए हुए है।

नींव पूजन में कलश स्थापना का भी अत्यंत गूढ़ अर्थ है। शेषनाग का निवास स्थान 'क्षीरसागर' माना जाता है, जहां वे भगवान विष्णु की शय्या बनकर उन्हें सुख पहुंचाते हैं। इसीलिए, पूजन के कलश में जल के साथ दूध, दही और घी डाला जाता है, जो प्रतीकात्मक रूप से क्षीरसागर का वातावरण निर्मित करता है। कलश को भगवान विष्णु का स्वरूप माना जाता है और उसमें डाला गया सिक्का माता लक्ष्मी का प्रतीक है। नागों को दूध और पुष्प अत्यंत प्रिय हैं, इसलिए पूजन में इन्हें अर्पित कर शेषनाग का श्रद्धापूर्वक आह्वान किया जाता है। यह क्रिया इस भावना को पुष्ट करती है कि घर की नींव में लक्ष्मी-नारायण का वास है और शेषनाग स्वयं रक्षक बनकर वहां प्रतिष्ठित हो गए हैं।

भगवान शिव के आभूषण होने और लक्ष्मण व बलराम के 'शेषावतार' होने के कारण नागों के प्रति हिंदू समाज की अगाध श्रद्धा है। नींव में सर्प और कलश गाड़ना इस बात का प्रमाण है कि हम जो भी निर्माण कर रहे हैं, वह प्रकृति और ईश्वर की सत्ता के प्रति नतमस्तक होकर कर रहे हैं। यह प्राचीन प्रथा हमें याद दिलाती है कि मनुष्य का अहंकार मिट्टी का है, लेकिन उसकी श्रद्धा उसे ब्रह्मांडीय शक्तियों से जोड़ती है। अंततः, यह अनुष्ठान भवन को केवल ईंट-पत्थरों का ढांचा नहीं रहने देता, बल्कि उसे एक सकारात्मक ऊर्जा के केंद्र और सुरक्षित आशियाने में बदल देता है। यह परंपरा सदियों से इसी अटूट विश्वास के साथ जारी है कि ईश्वर की शरण में ही वास्तविक 'अभय' और स्थिरता प्राप्त होती है।

अपने विचार

मौजूदा स्थिति ने महासागरों के महत्व को एक बार फिर रेखांकित किया है। बदलती वैश्विक भू-राजनीति के इस दौर में महासागर एक बार फिर दुनिया के शक्ति संतुलन के केंद्र में आ गए हैं। ऐसे समय में एक प्रमुख समुद्री राष्ट्र के रूप में भारत की जिम्मेदारी है कि वह आत्मविश्वास, क्षमता और स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ नेतृत्व प्रदान करे।

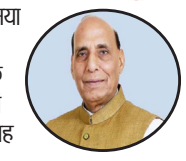

राजनाथ सिंह
रक्षा मंत्री, भारत सरकार

हिंद महासागर में हुई घटना पर पीएम नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार की चुप्पी से साफ है कि देश के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों की घोर उपेक्षा की जा रही है। यह न सिर्फ भारत के राष्ट्रीय सिद्धांतों का अपमान है, बल्कि हमारी उस विदेश नीति का भी अपमान है, जिसे तमाम सरकारों ने बड़ी मेहनत से बनाया और अपनाया है।

मल्लिकार्जुन खरगे
अध्यक्ष, कांग्रेस

वे अब बिहार में मुख्यमंत्री बदलेंगे। बिहार चुनाव के समय से ही भाजपा ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। उसी समय से यह स्पष्ट हो गया था कि वे उन्हें मुख्यमंत्री नहीं रहने देंगे। लेकिन नीतीश कुमार ने दसवीं बार शपथ ली। अब मोदी और शाह की चाल से उन्हें हार का सामना करना पड़ा है।

भूपेश बघेल
पूर्व मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

'पार्टी में यह प्रबल इच्छा थी कि प्रियंका चतुर्वेदी को एक और मौका दिया जाए। लेकिन जरूरी नंबर नहीं थे। यदि शरद पवार खुद मुकाबले में ना आना चाहते और नंबर होते तो उन्हें ही भेजा जाता। उन्हें 100 फीसदी चांस दिया जाता।

संजय राउत
राष्ट्रीय प्रवक्ता, शिवसेना(यूबीटी)

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार “माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. ” के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िमेदार).

गांवों में कैंसर और मधुमेह की हर वर्ष मुफ्त जांच

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बजट पेश करते हुए घोषणा की कि प्रदेश के सभी गांवों में कैंसर, मधुमेह और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों की साल में एक बार निःशुल्क जांच की जाएगी। इस योजना के लिए सरकार ने 4500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। उन्होंने बताया कि यह योजना राज्य की सभी स्वायत्त संस्थाओं में भी लागू की जाएगी और इसके लिए एक शहरी स्वास्थ्य आयुक्तालय स्थापित किया जाएगा, हालांकि इसका स्थान अभी तय नहीं किया गया है।

DBD 5
दो बजे दोपहर
मुंबई, शनिवार, 7 मार्च 2026

ब्रीफ न्यूज़

नवसारी और मरोली स्टेशनों के बीच ब्लॉक, ट्रेनें प्रभावित

मुंबई। नवसारी और मरोली स्टेशनों के बीच आरएच गर्डर को डी-लॉन्च करने के लिए 9 और 10 मार्च 2026 को ट्रैफिक ब्लॉक लिया जाएगा, जिसके कारण पश्चिम रेलवे की कई ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार 9 मार्च को डाउन मेन लाइन पर सुबह 10:10 बजे से दोपहर 1:25 बजे तक तथा 10 मार्च को अप और डाउन मेन लाइनों पर दोपहर 12 बजे से 3:30 बजे तक ब्लॉक रहेगा। इसके चलते 19016 पोरबंदर–दादर एक्सप्रेस और 20968 पोरबंदर–सिकंदराबाद एक्सप्रेस को 1 घंटा 10 मिनट रीशेड्यूल किया जाएगा, जबकि 22543 बांद्रा टर्मिनस–लालकुआं एक्सप्रेस 55 मिनट, 09001 मुंबई सेंट्रल–भिवानी स्पेशल 1 घंटा, 19015 दादर–पोरबंदर एक्सप्रेस 50 मिनट और 12216 बांद्रा टर्मिनस–दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस 30 मिनट तक रेगुलेट की जाएगी। वहीं 10 मार्च को चलने वाली 09055 बांद्रा टर्मिनस–उधना स्पेशल को बिलीमोरा में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा और वहीं से यह ट्रेन 09056 उधना–बांद्रा टर्मिनस स्पेशल के रूप में वापस रवाना होगी।

महिला दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

ठाणे। विश्व महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को ठाणे मनपा के महिला व बालविकास विभाग की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। 7 मार्च को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक मनपा मुख्यालय में रंगोली और मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित होगी, जिसका उद्घाटन मेयर शर्मिला पिंपलोलकर करेंगी। रंगोली प्रतियोगिता का विषय भारतीय त्योहारों पर आधारित रखा गया है और इसे 4×4 फीट की जगह में बनाया जाएगा, जबकि मेहंदी प्रतियोगिता ट्रेडिशनल, अरबी और राजस्थानी शैली में होगी। इसी दिन वर्तकनगर स्थित स्कूल क्रमांक 44 में "डिजिटल इंडियाः एक नया युग और सोशल मीडिया के विकास में महिला अधिकारियों की भूमिका" विषय पर 1000 शब्दों की निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। महिला दिवस के अवसर पर 7 मार्च को मनपा के सभी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा, जिसमें हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर की जांच के साथ विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श दिया जाएगा। 8 मार्च को मनपा और 'आम्ही साईकलप्रेमी फाउंडेशन' के सहयोग से महिलाओं के लिए साइकिल रैली निकाली जाएगी, जो मनपा भवन से शुरू होकर 3.5 और 6.5 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

महाराष्ट्र बजट 2026

ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण की घोषणा

विरासत और संस्कृति के संरक्षण पर जोर

देवेंद्रनाथ जैस्वार । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा के बजट सत्र में 6 मार्च 2026 को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने वित्त वर्ष 2026–27 का राज्य बजट पेश किया। इस बजट में विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ राज्य की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया है। सरकार ने छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़े 12 किलों को यूनेस्को की विरासत सूची में शामिल करने के लिए संरक्षण और संवर्धन की योजना बनाई है। साथ ही पुणे जिले के आंबेगांव स्थित शिवसृष्टी और सिंधुदुर्ग जिले के राजकोट किले के विकास के लिए भी निधि देने की घोषणा की गई है।

स्मारकों और ऐतिहासिक स्थलों का होगा विकास

बजट में छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों के विकास पर भी जोर दिया गया है। आगरा में शिवाजी महाराज के स्मारक तथा हरियाणा के पानीपत स्थित काला अंब में मराठा शौर्य स्मारक के लिए सहायता दी जाएगी। इसके अलावा सातारा जिले के वासोटा किले तक मुनावले से रोपवे परियोजना शुरू करने की योजना है। सातारा के अजिंक्यतारा किले और संगम माहुली में महाराणी ताराबाई तथा छत्रपति शाहू महाराज की समाधियों के संरक्षण और जीर्णोद्धार की भी घोषणा की गई है।

छत्रपति संभाजी महाराज से जुड़े स्थलों का संरक्षण

सरकार ने छत्रपति संभाजी महाराज से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों के विकास के लिए भी योजना बनाई है। तुलापुर स्थित स्मारक का कार्य जून 2026 तक तथा वढू बुद्रुक स्थित समाधि स्थल का कार्य जून 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। रत्नागिरी जिले के संगमेश्वर में स्मारक के लिए योजना का अंतिम खाका तैयार किया जा रहा है और इसके लिए भी बजट में निधि उपलब्ध कराई जाएगी।

महात्मा फुले, आंबेडकर और संतों की जयंती वर्ष पर विशेष कार्यक्रम

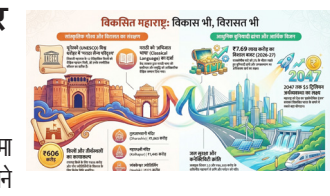

सरकार ने 11 अप्रैल 2026 को महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती मनाने की घोषणा की है। उनके जन्मस्थान कटगुण (जिला सातारा) में भव्य स्मारक बनाया जाएगा, जबकि सावित्रीबाई फुले के जन्मस्थान नायगांव में स्मारक और महिला प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के महाड स्थित चवदार तालाब सत्याग्रह की शताब्दी के अवसर पर वहां बुनियादी सुविधाओं का विकास किया जाएगा। संत गाडगेबाबा की 150वीं जयंती भी मनाई जाएगी और उनके जन्मस्थल, कर्मभूमि तथा समाधि स्थल को जोड़कर 'संत गाडगेबाबा तीर्थक्षेत्र सर्किट' विकसित किया जाएगा। सरकार ने नाशिक–त्र्यंबक कुंभ मेले के लिए विशेष निधि देने की घोषणा की है। पंढरपुर मंदिर विकास योजना के तहत आगे के कार्य भी शुरू किए जाएंगे और राज्य के पांच ज्योतिर्लिंगों के विकास कार्य जारी रहेंगे।

यात्रियों की सुविधा के लिए चार सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनें

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए पश्चिम रेलवे ने विशेष किराये पर चार सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। ये ट्रेनें बांद्रा टर्मिनस–अहमदाबाद, अहमदाबाद–छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और अहमदाबाद–पुणे मार्ग पर चलाई जाएंगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, इन ट्रेनों से यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी और भीड़भाड़ कम करने में मदद मिलेगी।

अहमदाबाद–पुणे सुपरफास्ट स्पेशल भी चलेगी

ट्रेन संख्या 01418 अहमदाबाद–पुणे स्पेशल 9 मार्च को सुबह 2 बजे अहमदाबाद से प्रस्थान कर दोपहर 12:10 बजे पुणे पहुंचेगी। वहीं ट्रेन संख्या 01417 पुणे–अहमदाबाद स्पेशल 7 मार्च को शाम 5:30 बजे पुणे से रवाना होकर अगले दिन सुबह 5:30 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन वडोदरा, सूरत, वसई रोड, कल्याण और लोनावला स्टेशनों पर ठहरेगी तथा इसमें एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास के कोच उपलब्ध होंगे।

बांद्रा टर्मिनस–अहमदाबाद एसी सुपरफास्ट स्पेशल

ट्रेन संख्या 09029 बांद्रा टर्मिनस–अहमदाबाद स्पेशल 8 मार्च 2026 को रात 12:05 बजे बांद्रा टर्मिनस से रवाना होकर उसी दिन सुबह 8:40 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 09030 अहमदाबाद–बांद्रा टर्मिनस स्पेशल 9 मार्च को सुबह 3:20 बजे अहमदाबाद से चलकर 11:35 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच और वडोदरा स्टेशनों पर रुकेगी तथा इसमें फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर और एसी 3-टियर कोच लगाए जाएंगे।

दूसरी एसी सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

ट्रेन संख्या 09043 बांद्रा टर्मिनस–अहमदाबाद स्पेशल 9 मार्च को दोपहर 2:30 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान कर रात 10:55 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 09044 अहमदाबाद–बांद्रा टर्मिनस स्पेशल उसी दिन सुबह 3:50 बजे अहमदाबाद से रवाना होकर दोपहर 12:15 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन भी बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच और वडोदरा स्टेशनों पर ठहरेगी और इसमें एसी 3-टियर कोच उपलब्ध होंगे।

अहमदाबाद–सीएसएमटी एसी सुपरफास्ट स्पेशल

ट्रेन संख्या 01154 अहमदाबाद–छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्पेशल 9 मार्च को सुबह 4 बजे अहमदाबाद से चलकर दोपहर 12:55 बजे सीएसएमटी पहुंचेगी। वहीं ट्रेन संख्या 01153 सीएसएमटी–अहमदाबाद स्पेशल 7 मार्च को रात 10:05 बजे सीएसएमटी से रवाना होकर अगले दिन सुबह 6:40 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन वडोदरा, सूरत, वसई रोड, ठाणे और दादर स्टेशनों पर रुकेगी और इसमें एसी 3-टियर इकोनॉमी कोच लगाए जाएंगे।

कुंभ मेले की तैयारियों को लेकर भुसावल मंडल में स्टेशनों का निरीक्षण

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

6 मार्च 2026 को मध्य रेल के भुसावल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक पुनीत अग्रवाल ने मंडल के वरिष्ठ शाखा अधिकारियों के साथ देवळाली, नासिक रोड, ओढ़ा, कसबे सुकेने और खेरवाड़ी रेलवे स्टेशनों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान स्टेशनों की व्यवस्थाओं और चल रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया गया।

स्वच्छता, सुरक्षा और यात्री सुविधाओं की समीक्षा

निरीक्षण के दौरान स्टेशनों पर स्वच्छता व्यवस्था, यात्री सुविधाएं, रेल पथ की तकनीकी स्थिति और सुरक्षा की जांच की गई। साथ ही स्टेशन परिसर के प्रबंधन और विकास कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई, ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य के निर्देश

मंडल रेल प्रबंधक ने संबंधित अधिकारियों को सभी कार्य समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। रेलवे प्रशासन ने कहा कि कुंभ मेले के दौरान यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और गुणवत्तापूर्ण रेल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी विभागों के समन्वय से व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इस दौरान मंडल के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

कुंभ मेले को लेकर विशेष तैयारियां

आगामी नासिक कुंभ मेले को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा की जा रही तैयारियों की भी समीक्षा की गई। मेले के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के रेल से यात्रा करने की संभावना को देखते हुए स्टेशनों पर अतिरिक्त यात्री सुविधाएं, स्वच्छता, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष योजना तैयार की जा रही है।

पात्र फेरीवालों को अस्थायी स्थान देने के निर्देश

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई में फेरीवालों के मुद्दे पर दायर मामले की सुनवाई पूरी हो चुकी है और जल्द ही उच्च न्यायालय का फैसला आने की संभावना है। उद्योग मंत्री डॉ. उदय सामंत ने विधानसभा को बताया कि जब तक न्यायालय का निर्णय नहीं आ जाता, तब तक महानगरपालिका को वर्ष 2014 की पात्र सूची के आधार पर योग्य फेरीवालों को अस्थायी स्थान (पिच) उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएंगे।

मंत्री ने बताया कि वर्ष 2014 में मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में फेरीवालों का सर्वेक्षण किया गया था। उस समय 1,28,443 आवेदन पत्र वितरित किए गए थे, जिनमें से 99,435 आवेदन महानगरपालिका को प्राप्त हुए थे। इसी सर्वेक्षण के आधार पर पात्र फेरीवालों को अस्थायी रूप से स्थान देने की व्यवस्था की जाएगी।

स्थायी फेरीवाला क्षेत्र बनने तक नहीं होगी कार्रवाई

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि जब तक स्थायी फेरीवाला क्षेत्र तय नहीं हो जाते, तब तक बिना कारण किसी फेरीवाले को नहीं हटाया जाएगा। यदि आवश्यक हो तो उनके पुनर्वास की भी व्यवस्था की जाएगी। साथ ही फेरीवालों के सर्वेक्षण को पांच वर्ष पूरे होने के बाद नया सर्वेक्षण करने और स्थानों का सत्यापन करने का सुझाव भी दिया गया है।

दादर क्षेत्र की यातायात समस्या पर भी निर्देश

विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि वर्ष 2014 की पात्र सूची अंतिम मानी जाएगी और योग्य फेरीवालों को अस्थायी स्थान दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जब स्थायी स्थान उपलब्ध कराए जाएंगे, तब अस्थायी स्थान हटाए जा सकते हैं। दादर क्षेत्र में सुबह सब्ज़ी लाने वाले ट्रकों से होने वाली यातायात समस्या को देखते हुए पुलिस और महानगरपालिका को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

निर्मलनगर के 524 झुग्गीवासियों को प्रमाण पत्र वितरित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई ने विधानसभा में जानकारी देते हुए बताया कि निर्मलनगर मामले में 524 पात्र झुग्गीवासियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जा चुके हैं। इससे संबंधित लोगों को उनके पुनर्वास और अन्य योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा मिलेगी।

साई सिटी परियोजना के लिए नई नीति पर विचार

मंत्री देसाई ने बताया कि साई सिटी को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के मामले में पहले नियुक्त डेवलपर की नियुक्ति 14 दिसंबर 2024 को रद्द कर दी गई थी। इसके बाद अप्रैल से जुलाई 2025 के बीच चार बार निविदाएं जारी की गईं, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। ऐसे में सरकार अब पुनर्विकास के लिए नई नीति पर विचार कर रही है। इस बीच विधानसभा अध्यक्ष एडवोकेट राहुल नार्वेकर ने निर्देश दिया कि मुंबई के विभिन्न विधायकों की समस्याओं की समीक्षा के लिए आवास मंत्री और एसआरए अधिकारियों की बैठक आयोजित की जाए।

279 पात्र झुग्गीवासियों से मांगे गए दस्तावेज

मंत्री देसाई ने बताया कि 26 नवंबर 2025 और 18 फरवरी 2026 को समाचार पत्रों में विज्ञापन प्रकाशित कर 279 पात्र झुग्गीवासियों से आवश्यक दस्तावेज जमा करने के लिए प्रतिक्रियाएं आमंत्रित की गई थीं। इनमें से अब तक 64 लोगों ने जवाब दिया है, जबकि शेष 215 पात्र झोपड़ीधारकों को आवेदन प्राप्त होने के बाद उचित समय पर प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

अभय योजना के क्रियान्वयन पर उठे सवाल

विधानसभा में यह मुद्दा भी उठाया गया कि अयोग्य झुग्गीवासियों को एसआरए के तहत पात्र बनाने के लिए लागू अभय योजना सही तरीके से लागू नहीं हो रही है, जिससे कई झुग्गीवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सायन क्षेत्र की साई सिटी, निर्मलनगर और निसर्ग संस्था की रुकी हुई पुनर्विकास परियोजनाओं को लेकर कैप्टन आर. सेलवन ने सुझाव दिया, जबकि अनंत (बाला) नर और योगेश सागर ने भी चर्चा में भाग लिया।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। नए विचार दिमाग में आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृष कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। दूसरे आपसे अधिक की अपेक्षा करेंगे व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है।

मिथुन प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

कर्क व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगा।अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति की बातों में न आएं।

सिंह अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। किसी कार्य के प्रति चिंता रहेगी।

कन्या दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। आलस्य हावी रहेगा। प्रमाद न करें।

तुला यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। हंसी-मजाक में हल्कापन न हो, ध्यान रखें। कीमती वस्तुएं इधर-उधर हो सकती हैं, संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़े काम की रुकावट दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

धनु नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। थकान रहेगी।

मकर बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। कोई बड़ा काम करने की इच्छा जागृत होगी।

कुंभ स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्वास्थ्य में राहत मिलेगी। चिंता दूर होगी। नौकरी में रुतबा बढ़ेगा।

मीन धनहानि की आशंका है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। थकान व कमजोरी रह सकती है। व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

300 बार जप से जागृत होती भक्ति, साहस और आंतरिक शक्ति

प्रियंका जैन
97699 94439

सनातन परंपरा में भक्ति केवल पूजा या मंत्रों का उच्चारण भर नहीं है, बल्कि यह आत्मा और परमात्मा के बीच गहरा संबंध स्थापित करने का माध्यम है। जब भक्त सच्चे मन से भगवान का स्मरण करता है, तो उसके भीतर अद्भुत शक्ति और शांति का संचार होने लगता है। इसी भक्ति मार्ग में भगवान हनुमान की उपासना अत्यंत प्रभावशाली मानी जाती है। हनुमानजी को बल, बुद्धि, साहस, भक्ति और सेवा का प्रतीक माना जाता है। उनका स्मरण करने मात्र से भय दूर होता है और मन में अदम्य विश्वास जागृत होता है। इसी कारण भक्तजन विशेष रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं, जिसे गोस्वामी तुलसीदास ने रचा था।

भक्तों के अनुभवों और लोकमान्य परंपराओं में यह भी माना जाता है कि यदि कोई श्रद्धालु विशेष संकल्प लेकर एक ही दिन में 300 बार हनुमान चालीसा का पाठ करता है, तो उसके जीवन में अद्भुत परिवर्तन देखने को मिलते हैं। यह साधना केवल इच्छा पूर्ति का साधन नहीं है, बल्कि यह मन, शरीर और आत्मा को मजबूत बनाने वाली तपस्या भी है। जब कोई व्यक्ति निरंतर कई घंटों तक भगवान का स्मरण करता है, तो उसका मन धीरे-धीरे संसार की चिंताओं से मुक्त होकर दिव्य ऊर्जा से भरने लगता है।

परंपरागत मान्यता के अनुसार यदि कोई भक्त लगातार 300 बार हनुमान चालीसा का पाठ करता है, तो उसे पूरा करने में लगभग 14 से 15 घंटे का समय लग सकता है। यह साधना साधारण नहीं है, क्योंकि इतने लंबे समय तक एकाग्र होकर भगवान का नाम लेना वास्तव में एक आध्यात्मिक तपस्या के समान है। इस दौरान भक्त का मन कई बार भटक सकता है, शरीर थक सकता है, लेकिन यदि वह श्रद्धा और धैर्य के साथ इस संकल्प को पूरा करता है, तो उसके भीतर अद्भुत आत्मविश्वास और शांति का जन्म होता है।

बहुत से लोग इस विशेष पाठ का संकल्प मंगलवार या शनिवार के दिन लेते हैं, क्योंकि ये दोनों दिन हनुमानजी की उपासना के लिए अत्यंत शुभ माने जाते हैं। जब भक्त अपने आराध्य के सामने बैठकर संकल्प लेता है, तो वह अपने मन की इच्छा, समस्या या उद्देश्य को भगवान के सामने प्रकट करता है। इसके बाद पूरे दिन भक्ति में लीन होकर हनुमान चालीसा का जप करता है। यह प्रक्रिया केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि आत्मिक अनुशासन का अभ्यास भी है।

लोकमान्यता में यह भी कहा जाता है कि 300 बार हनुमान चालीसा पढ़ने के पीछे मुख्यतः तीन कारण बताए जाते हैं। पहला कारण यह माना जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को लगता है कि उसके घर में नकारात्मक ऊर्जा या किसी प्रकार की अदृश्य बाधा है, तो वह शनिवार के दिन इस विशेष पाठ का संकल्प लेकर भगवान हनुमान की कृपा प्राप्त कर सकता है। भक्तों का विश्वास है कि हनुमानजी का नाम और उनका स्मरण हर प्रकार की नकारात्मक शक्ति को दूर करने की क्षमता रखता है। इसलिए जब कोई भक्त पूरे विश्वास के साथ यह साधना करता है, तो उसके घर का वातावरण शुद्ध और शांत होने लगता है।

दूसरा कारण यह बताया जाता है कि यदि किसी परिवार में लगातार कलह, तनाव या अशांति बनी रहती है, तो मंगलवार के दिन 300 बार हनुमान चालीसा का पाठ करने का संकल्प लिया जाता है। हनुमानजी को शांति और साहस का देवता माना जाता है। उनके स्मरण से मन की क्रोध और नकारात्मक भावनाएं धीरे-धीरे शांत होने लगती हैं।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को BCAS क्लीयरेंस

- अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानक की मिलीं सभी व्यवस्थाएं
- बीसीएएस की टीम ने सुरक्षा मानकों का किया परीक्षण

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश की महत्वाकांक्षी अवसंरचना परियोजनाओं में शामिल नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण मंजूरी मिल गई है। ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस) ने विस्तृत निरीक्षण के बाद एयरपोर्ट को सिक्योरिटी वेटिंग क्लीयरेंस प्रदान कर दिया है। इस स्वीकृति के साथ ही यहां से उड़ानों के संचालन की दिशा में अगला चरण शुरू होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार, उड़ान संचालन प्रारंभ करने से पहले सुरक्षा मानकों की जांच एक अनिवार्य प्रक्रिया होती है। इसके तहत बीसीएएस की विशेषज्ञ टीम ने एयरपोर्ट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी प्रणाली, प्रवेश नियंत्रण, यात्रियों और कार्गो की जांच व्यवस्था सहित विभिन्न तकनीकी पहलुओं का परीक्षण किया।

निवेश, पर्यटन और लाजिस्टिक सुविधाएं

प्रदेश सरकार के अनुसार, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को राज्य की प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं में शामिल किया गया है और इसे आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक बड़े एविएशन हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। परियोजना के पूर्ण होने पर यह पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण हवाई संपर्क केंद्र बनेगा। सरकार का मानना है कि एयरपोर्ट के संचालन में आने से क्षेत्र में निवेश, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स और व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी।

चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा निर्माण

अधिकारियों के अनुसार, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का विकास चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। सभी चरण पूरे होने के बाद इसकी यात्री क्षमता प्रतिवर्ष करोड़ों यात्रियों को संभालने की होगी और यह देश के प्रमुख तथा एशिया के बड़े हवाईअड्डों में शामिल हो सकता है।

अगला कदम एयरोड्रम लाइसेंस के लिए

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि सिक्योरिटी वेटिंग क्लीयरेंस मिलने के बाद अब अगली प्रक्रिया डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) द्वारा एयरोड्रम लाइसेंस जारी किए जाने की है। यह लाइसेंस मिलने के बाद ही किसी भी हवाईअड्डे से वाणिज्यिक उड़ानों का नियमित संचालन शुरू किया जा सकता है।

जशपुर में यात्री बस पलटी, छह की मौत

एजेंसी । जशपुर

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में गुरुवार को एक यात्री बस के पलट जाने से गंभीर सड़क दुर्घटना हो गई। हादसे में एक बच्चे सहित छह लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि नौ अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार बस करडेगा से कुनकुरी की ओर जा रही थी और उसमें दो दर्जन से अधिक यात्री सवार थे। करडेगा चौकी क्षेत्र के गोड़ाअंबा गांव के पास बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं तथा घायलों को एम्बुलेंस की मदद से उपचार के लिए कुनकुरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। अधिकारियों के अनुसार दुर्घटना में छह यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल यात्रियों का अस्पताल में इलाज जारी है। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की ओर से घायलों के समुचित उपचार के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। पुलिस और प्रशासन की टीम घटनास्थल पर मौजूद है और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया भी जारी है।

मैनपुरी-इटावा: वेटलैंड में बनेगा 'सारस सर्किट'

- संरक्षण के साथ इको-टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार राज्य के राजकीय पक्षी सारस क्रेन के संरक्षण और प्राकृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मैनपुरी और इटावा जिलों में "सारस सर्किट" विकसित करने की योजना पर कार्य कर रही है। इस परियोजना के तहत दोनों जिलों के प्रमुख वेटलैंड क्षेत्रों को जोड़ते हुए एक विशेष पर्यटन और संरक्षण मार्ग तैयार किया जाएगा। वन विभाग और उत्तर प्रदेश इको-टूरिज्म विकास बोर्ड की देखरेख में इस सर्किट का विकास किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत मैनपुरी जिले के किथुआ, सहस, कुर्रा जरावां, सौज और समन क्षेत्र के वेटलैंड्स को शामिल किया गया है। इसके अलावा इटावा जिले के सरसई नावर तथा परौली रामायण वेटलैंड क्षेत्र को भी परियोजना में जोड़ा गया है, जहां बड़ी संख्या में सारस पक्षियों का आवास और प्रजनन देखा जाता है।

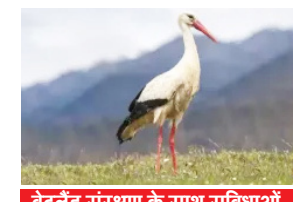

वेटलैंड संरक्षण के साथ सुविधाओं का विकास

परियोजना के तहत इन वेटलैंड क्षेत्रों को सारस पक्षियों के लिए अनुकूल बनाए रखने के साथ-साथ पर्यटकों के लिए बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके अंतर्गत प्रवेश द्वार, दर्शक मंच (व्यू प्वाइंट), अवलोकन डेक, बोटिंग स्थल, बटरफ्लाई गार्डन, सोलर आधारित प्रकाश व्यवस्था और इंटरप्रिटेशन सेंटर स्थापित किए जाएंगे। पर्यटकों की सुविधा के लिए सूचना केंद्र, पार्किंग स्थल, ईको-फ्रेंडली शौचालय, इंटरैक्टिव साइनेज, फूड कियोस्क तथा ओडीओपी उत्पादों और स्मृति-चिह्नों की दुकानों की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। इन सुविधाओं के माध्यम से आगंतुकों को सारस और अन्य पक्षियों के प्राकृतिक आवास को निकट से देखने तथा उनके संरक्षण के महत्व को समझने का अवसर मिलेगा। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में मैनपुरी, इटावा, एटा और अलीगढ़ के वेटलैंड क्षेत्र सारस पक्षियों के प्रमुख आवास माने जाते हैं।

जदयू: बिहार की कमान संभालने को फिर तैयार उमेश कुशवाहा

- किसी अन्य के पर्चा नहीं भरने पर तीसरे बार उमेश बनेंगे पार्टी के मुखिया
- प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए दाखिल किया नामांकन, निर्विरोध चयन की संभावना

एजेंसी । पटना/शिमला

बिहार की सियासत में हालिया गतिविधियों के बीच जनता दल (यूनाइटेड) में संगठनात्मक प्रक्रिया भी तेज हो गई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए शुक्रवार को उमेश कुशवाहा ने आधिकारिक तौर पर नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन की अंतिम तिथि शुक्रवार निर्धारित थी। पार्टी के प्रदेश कार्यालय में दाखिल किए गए इस नामांकन के दौरान कई वरिष्ठ नेताओं ने प्रस्तावक की भूमिका निभाई।

सिर्फ एक ही नामांकन

पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए अब तक किसी अन्य नेता ने नामांकन दाखिल नहीं किया है। ऐसे में उमेश कुशवाहा का लगातार तीसरी बार निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष चुना जाना लगभग तय माना जा रहा है। इस बैठक को लेकर पार्टी नेताओं ने इसे महत्वपूर्ण बताया है। शुक्रवार की शाम सीएम आवास पर पार्टी की बैठक हुई, जिसमें जदयू के सभी विधायकों ने भाग लिया। नीतीश से भावनात्मक जुड़ाव मंत्री लेसी सिंह ने कहा, राज्य के विकास में नीतीश कुमार के लंबे योगदान के कारण पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच उनके प्रति भावनात्मक जुड़ाव स्वाभाविक है।

नैनीताल के पेयजल को लेकर विशेषज्ञों की राय, टीडीएस और पीएच लेवल एकदम दुरुस्त

कोई टेंशन नहीं: सुरक्षित है पहाड़ों का पानी

एजेंसी । नैनीताल

पहाड़ी पर्यटन स्थलों पर रहने वाले लोगों और यहां आने वाले पर्यटकों के बीच अक्सर यह सवाल उठता है कि क्या नलों से मिलने वाला पानी सीधे पीने योग्य होता है या फिर घरों में वॉटर फिल्टर अथवा आरओ सिस्टम लगाना जरूरी है। बोतलबंद पानी के उपयोग, टीडीएस स्तर और पथरी जैसी स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर भी लोगों में कई तरह की धारणाएं प्रचलित हैं। जल विशेषज्ञों और विभागीय अधिकारियों का कहना है कि सामान्य परिस्थितियों में नैनीताल क्षेत्र का पेयजल सुरक्षित माना जाता है, हालांकि कुछ सावधानियां बरतना आवश्यक है। अधिकारियों के अनुसार शहर में पेयजल आपूर्ति सीधे झील से नहीं की जाती। अधिकारियों के अनुसार शहर में पेयजल आपूर्ति सीधे झील से नहीं की जाती।

पानी का रंग बदल फैलाते हैं भ्रम

विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि कुछ कंपनियां पानी की जांच के नाम पर ऐसे प्रदर्शन करती हैं, जिनसे पानी का रंग बदलकर लोगों को भ्रमित किया जाता है। ऐसे मामलों में अधिकृत प्रयोगशालाओं में वैज्ञानिक परीक्षण के आधार पर ही निर्णय लेना उचित माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार सही जानकारी और वैज्ञानिक जांच के आधार पर ही पेयजल के उपयोग को लेकर निर्णय लिया जाना चाहिए, जिससे अनावश्यक खर्च और भ्रम से बचा जा सके। अनावश्यक रूप से आरओ का उपयोग करने से पानी में मौजूद आवश्यक खनिज भी निकल सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक आरओ से फिल्टर किए गए पानी का टीडीएस लगभग 200 से 300 के बीच होना स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहतर माना जाता है।

मुफ्त बिजली का वादा अब महंगी करने की तैयारी

- दरों में संभावित वृद्धि पर भाजपा का आरोप

एजेंसी । शिमला

हिमाचल प्रदेश में बिजली दरों को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई ने राज्य सरकार पर चुनावी वादों से पीछे हटने का आरोप लगाया है। पार्टी की ओर से जारी बयान में प्रदेश प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि चुनाव के दौरान 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का आश्वासन देने वाली सरकार अब बिजली दरों में बढ़ोतरी की तैयारी कर रही है। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राज्य सरकार उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने की दिशा में कदम बढ़ा रही है।

वृद्धि का भाजपा करेगी विरोध

भारद्वाज के अनुसार इस संभावित वृद्धि से राज्य के बिजली उपभोक्ताओं पर सालाना लगभग 1200 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ने का अनुमान है। उन्होंने यह भी कहा कि हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड ने आगामी वित्तीय वर्ष के लिए नियामक आयोग के समक्ष लगभग 8593 करोड़ रुपये की राजस्व आवश्यकता का प्रस्ताव रखा है, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक बताया जा रहा है। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राज्य सरकार उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने की दिशा में कदम बढ़ा रही है।

सैयद अता हसनैन कविंद्र गुप्ता बने राज्यपाल

देश में संवैधानिक पदों पर व्यापक प्रशासनिक फेरबदल करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राज्यपालों तथा उपराज्यपालों की नई नियुक्तियों से संबंधित आदेश जारी किए हैं। पिछले 24 घंटे के भीतर जारी अधिसूचना के अनुसार सात राज्यों में नए राज्यपाल नियुक्त किए गए हैं, जबकि दिल्ली और लद्दाख में उपराज्यपाल पदों पर भी बदलाव किया गया है। इस फेरबदल के तहत बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, नागालैंड, महाराष्ट्र और तेलंगाना के राजभवनों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इसे हाल के वर्षों में राज्यपाल पदों पर किया गया एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक पुनर्गठन माना जा रहा है। बिहार में सैयद अता हसनैन को जिम्मेदारीबिहार के नए राज्यपाल के रूप में सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी सैयद अता हसनैन की नियुक्ति की गई है। वे भारतीय सेना में वरिष्ठ पदों पर लगभग चार दशकों तक सेवाएं दे चुके हैं।

व्यापार जगत

शेयर बाजार में तेज गिरावट, सेंसेक्स 1,097 अंक टूटा

एजेंसी । मुंबई

वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच शुक्रवार को सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार दबाव में रहा। निवेशकों की सतर्कता और बिकवाली के कारण प्रमुख सूचकांक तेज गिरावट के साथ बंद हुए। कारोबार समाप्त होने पर BSE Sensex 1,097 अंक यानी करीब 1.37 प्रतिशत गिरकर 78,918.90 के स्तर पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 1,203.72 अंक तक फिसलकर 78,812.18 तक पहुंच गया था। इसी प्रकार NSE Nifty 50 315.45 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,450.45 पर बंद हुआ। HCLTech के शेयरों में सीमित बढ़त दर्ज की गई।

बैंकिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर शेयरों में दबाव

सेंसेक्स की प्रमुख कंपनियों में ICICI Bank, Axis Bank, HDFC Bank, State Bank of India, UltraTech Cement, Bajaj Finserv और Larsen & Toubro के शेयरों में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई। वहीं दूसरी ओर Reliance Industries, Bharat Electronics Limited, Sun Pharmaceutical Industries, NTPC Limited, Infosys और HCLTech के शेयरों में सीमित बढ़त दर्ज की गई। एशिया के प्रमुख शेयर बाजारों में सकारात्मक रुझान देखा गया। KOSPI, Nikkei 225, Shanghai Composite Index और Hang Seng Index बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि यूरोपीय बाजारों में दोपहर के सत्र के दौरान गिरावट का रुख रहा।

कच्चे तेल की कीमतों ने बढ़ाया दबाव

विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने भी घरेलू बाजार पर दबाव डाला। वैश्विक तेल मानक Brent Crude की कीमत करीब 2.53 प्रतिशत बढ़कर 87.57 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई।

पिछले कारोबारी दिन दिखी थी तेजी

गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले गुरुवार को बाजार में मजबूती देखी गई थी। उस दिन सेंसेक्स 899.71 अंक चढ़कर 80,015.90 पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 285.40 अंक की बढ़त के साथ 24,765.90 के स्तर पर पहुंच गया था। विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक परिस्थितियों और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के चलते आने वाले दिनों में बाजार में अस्थिरता बनी रह सकती है। एशिया के प्रमुख शेयर बाजारों में सकारात्मक रुझान देखा गया। KOSPI, Nikkei 225, Shanghai Composite Index और Hang Seng Index बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि यूरोपीय बाजारों में दोपहर के सत्र के दौरान गिरावट का रुख रहा। बाजार के अन्य सेक्टर्स की बात करें तो रियल्टी और ऑटो में भी आज बिकवाली का जबरदस्त दबाव दिखा। निफ्टी रियल्टी इंडेक्स आज 2.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 742 के लेवल पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ऑटो इंडेक्स में भी 1.06 प्रतिशत की कमजोरी दर्ज की गई।

रिलायंस पावर के ठिकानों पर ED का छापा

- मुंबई और हैदराबाद में एक साथ 15 टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर डाली रेड

एजेंसी । नई दिल्ली

वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले की जांच के तहत Enforcement Directorate ने उद्योगपति Anil Ambani से संबंधित कंपनियों और परिसरों पर शुक्रवार को छापेमारी की कार्रवाई की। यह कार्रवाई मुख्य रूप से Reliance Power Limited और उससे जुड़ी अन्य संस्थाओं से संबंधित बताई जा रही है।

दर्जनभर ठिकानों को खंगाला गया

अधिकारिक सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसी की लगभग 15 टीमों ने सुबह से ही मुंबई और हैदराबाद में एक साथ कई स्थानों पर तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान कंपनी के कार्यालयों, अधिकारियों के आवासों और संबंधित परिसरों सहित करीब 10 से 12 ठिकानों को जांच के दायरे में लिया गया। लेनदेन संबंधी दस्तावेज बरामद छापेमारी के दौरान एजेंसी के अधिकारियों ने विभिन्न दस्तावेज, वित्तीय लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड और अन्य महत्वपूर्ण सामग्री अपने कब्जे में ली है, जिनकी जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक

यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग के संदिग्ध मामलों और कथित बैंकिंग अनियमितताओं से जुड़े लेन-देन की पड़ताल के तहत की जा रही है सूत्रों का कहना है कि Enforcement Directorate पिछले कुछ समय से Anil Ambani के कारोबारी समूह की विभिन्न कंपनियों की वित्तीय गतिविधियों की समीक्षा कर रही है।

पश्चिम एशिया संकट: निर्यातकों को हरसंभव सहायता देगी सरकार

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के बीच भारत सरकार ने निर्यात क्षेत्र को संभावित प्रभावों से बचाने के लिए सक्रिय कदम उठाने की बात कही है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री Piyush Goyal ने शुक्रवार को कहा कि सरकार भारतीय निर्यातकों को राहत देने और उनके कारोबार को सुचारु बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक नीतिगत और प्रशासनिक उपायों का उपयोग करेगी। नई दिल्ली स्थित Bharat Mandapam में आयोजित IIFT Vice Chancellor Conclave 2026 के दौरान संवाददाताओं से बातचीत करते हुए मंत्री ने बताया कि निर्यात से जुड़े मुद्दों की नियमित समीक्षा के लिए एक अंतर-मंत्रालयी समूह का गठन किया गया है। यह समूह रोजाना बैठक कर स्थिति का आकलन कर रहा है और निर्यातकों से सीधे संवाद भी स्थापित कर रहा है।

यस बैंक: कामकाजी महिलाओं के लिए स्पेशल खाता

एजेंसी । नई दिल्ली

निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक Yes Bank ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से पहले कामकाजी महिलाओं की वित्तीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए एक विशेष वेतन खाते की घोषणा की है। बैंक ने बताया कि यह नया खाता 'यस इसेंस महिला वेतन खाता' नाम से शुरू किया जाएगा। बैंक के अनुसार यह खाता महिलाओं को बैंकिंग सेवाओं के साथ-साथ स्वास्थ्य सुरक्षा, जीवनशैली से जुड़ी सुविधाएं और वित्तीय प्रबंधन के बेहतर विकल्प उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इस पहल का लक्ष्य पेशेवर और नौकरीपेशा महिलाओं को एक समग्र बैंकिंग प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना है, जिससे वे अपनी आय, बचत और भविष्य की वित्तीय योजना को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित कर सकें। खाते के साथ मिलने वाली प्रमुख सुविधाएं यस इसेंस महिला वेतन खाता' के तहत ग्राहकों को पहले वर्ष के लिए विशेष रूप से मुफ्त लॉकर सुविधा दी जाएगी। इसके अलावा एक वर्ष के लिए पांच लाख रुपये तक का अतिरिक्त स्वास्थ्य बीमा (टॉप-अप हेल्थ

कवर) और साल में एक बार निःशुल्क वार्षिक निवारक स्वास्थ्य जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार Yes Bank का कहना है कि यह खाता विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए डिजाइन किया गया है जो नौकरी या पेशेवर गतिविधियों के माध्यम से अपनी आय अर्जित करती हैं। बैंक के मुताबिक इस खाते के जरिए महिलाओं को सुरक्षित बैंकिंग सेवाओं के साथ वित्तीय स्थिरता और दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण में भी मदद मिलेगी।

10 मार्च से खुलेगा इनोविजन का IPO

- 521-548 रुपये तय हुआ प्राइस बैंड

एजेंसी । मुंबई

मैनपावर सेवाएं और टोल प्लाजा प्रबंधन से जुड़ी कंपनी Innovision Limited अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 10 मार्च से निवेशकों के लिए खोलने जा रही है। निवेशक इस इश्यू में 12 मार्च तक आवेदन कर सकेंगे। कंपनी ने प्रति शेयर 521 से 548 रुपये का प्राइस बैंड निर्धारित किया है।

कंपनी की योजना इस सार्वजनिक निर्गम के माध्यम से करीब 322.84 करोड़ रुपये जुटाने की है। आईपीओ के बाद कंपनी के शेयरों की संभावित लिस्टिंग 17 मार्च को Bombay Stock Exchange और National Stock Exchange of India पर होने की उम्मीद है।

संजू सैमसन 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' की दौड़ में

आईसीसी ने आठ खिलाड़ियों को किया नामित

एजेंसी । दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शानदार फॉर्म में चल रहे भारतीय सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन को टी-20 विश्व कप के 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' पुरस्कार के लिए नामित किया है। इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए कुल आठ खिलाड़ियों को चुना गया है, जिनमें इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स, पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान, दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी और कप्तान एडेन मार्करम, न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रवींद्र और बल्लेबाज टिम साइफर्ट के साथ अमेरिका के गेंदबाज शैडली वैन शाल्कविक शामिल हैं। संजू सैमसन को टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में खेलने का मौका नहीं मिला लेकिन बाद में मिले अवसर उन्होंने शानदार तरीके फायदा उठाया। पिछले दो मैचों में नाबाद 97 और 89 रन की शानदार पारियां खेलकर भारत को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

साहिबजादा फरहान (पाकिस्तान)- 7 मैच, 383 रन, 76.60 एवरेज, 160.25 स्ट्राइक रेट

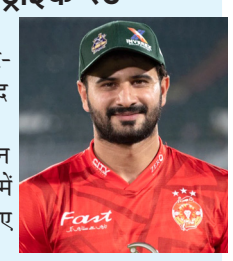

साहिबजादा फरहान ने पाकिस्तान के एक और उतार-चढ़ाव वाले कैंपेन में उम्मीद की किरण जगाई। ओपनिंग बैट्समैन ने छह इनिंग्स में 383 रन बनाए और मेन्स T20 वर्ल्ड कप के एक एडिशन में सबसे ज्यादा न बनाने का रिकॉर्ड बनाया। फरहान मेन्स T20 वर्ल्ड के एक एडिशन में दो सेंचुरी बनाने पहले प्लेयर भी बने।

लुंगी एनगिडी (साउथ अफ्रीका) -7 मैच, 12 विकेट, 7.19 की इकॉनमी

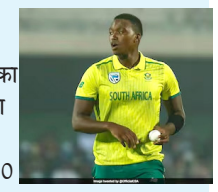

लुंगी एनगिडी साउथ अफ्रीका की पेस बैटरी का एक अहम हिस्सा हैं और मौजूदा T20 वर्ल्ड कप में उनके सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले फास्ट बॉलर थे। उन्होंने टूर्नामेंट की शुरुआत कनाडा के खिलाफ चार विकेट लेकर की, और इसके बाद अफगानिस्तान के खिलाफ 3/26 के शानदार प्रदर्शन के साथ दो सुपर ओवर में फैसला हुआ। एनगिडी ने सुपर एट्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ भी तीन विकेट लिए। हालांकि उन्हें भारत के खिलाफ कोई विकेट नहीं मिला, लेकिन एनगिडी ने ऑफ-कटर से विरोधी बल्लेबाजों पर काबू रखा और अपने चार ओवर में सिर्फ 15 रन दिए।

विल जैक्स (इंग्लैंड) - 8 मैच, 226 रन, 9 विकेट

इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी ने अपनी टीम को T20 वर्ल्ड कप में आठ में से छह मैच जिताने में अहम भूमिका निभाई है। जैक्स ने चार बार प्लेयर ऑफ़ द मैच का अवॉर्ड जीता, जिसमें श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ जरूरी सुपर आठ मैच भी शामिल हैं। विल जैक्स ने बल्ले के साथ-साथ इस टूर्नामेंट में गेंद से भी दम दिखाया है।

रचिन रवींद्र (न्यूज़ीलैंड) - 8 मैच, 11 विकेट, 128 रन

रचिन रवींद्र इस T20 वर्ल्ड कप में बल्ले से ज्यादा गेंद से अपनी टीम के लिए कीमती साबित हुए हैं।पाकिस्तान के खिलाफ सुपर आठ का पहला मैच बारिश में धुल जाने के बाद, बाएं हाथ के स्पिनर ने श्रीलंका के खिलाफ मैच में न्यूजीलैंड को बढ़त दिलाई। उन्होंने 32 रन बनाए और 4/27 लेकर को-होस्ट टीम को 107/8 पर रोकने में मदद की। इंग्लैंड के खिलाफ अगले मैच में, उन्होंने 3/19 के साथ मैच खत्म किया, लेकिन टीम हार गई।

शैडली वैन शल्कविक (USA) - 4 मैच, 13 विकेट, 6.80 इकॉनमी

भले ही USA शुरुआती ग्रुप स्टेज के बाद बाहर हो गया, लेकिन शैडली वैन शल्कविक ने इस T20 वर्ल्ड कप में गेंदबाजों के लिए बेंचमार्क सेट किया। सिर्फ चार मैचों में, इस अमेरिकी पेसर ने सबसे छोटे फॉर्मेट में ठीक-ठाक इकॉनमी रेट से 13 विकेट लिए। यह अभी भी इस एडिशन में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में सबसे ऊपर है।

एडेन मार्करम (साउथ अफ्रीका) - 8 मैच, 286 रन, 1 विकेट

एडेन मार्करम इस T20 वर्ल्ड कप में प्रोटियाज के पक्के परफॉर्मेंस के सेंटर थे, दाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने आठ मैचों में तीन हाफ-सेंचुरी लगाईं। बैटिंग ऑर्डर में सबसे ऊपर होने के कारण, मार्करम का सबसे अच्छा परफॉर्मेंस शुरुआती ग्रुप स्टेज में न्यूजीलैंड के खिलाफ और सुपर एट्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ रन-चेज में आया।

टिम सीफर्ट (न्यूज़ीलैंड) - 8 मैच, 274 रन, 45.66 एवरेज, 161.17 स्ट्राइक रेट

टिम सीफर्ट ने T20 वर्ल्ड कप के डिसाइडर तक न्यूज़ीलैंड की जीत में अहम रोल निभाया है, इस दाएं हाथ के बल्लेबाज़ ने आठ मैचों में कुल आठ हाफ-सेंचुरी के साथ 274 रन बनाए हैं। सीफर्ट ने अफगानिस्तान और UAE के खिलाफ फिफ्टी के साथ टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की, लेकिन सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ उनकी 58 रन की पारी अब तक इस इवेंट की उनकी सबसे अहम पारी थी।

टीम इंडिया कल न्यूजीलैंड के खिलाफ उतरेगी खिताब बचाने

कमजोर पड़ रहे तुरुप के इक्के

- अभिषेक और चक्रवर्ती बढ़ा रहे चिंता
- अभिषेक अब तक टूर्नामेंट में लगा पाए सिर्फ एकअर्धशतक
- चक्रवर्ती की फिरकी भी नहीं कर पा रही कमाल

एजेंसी । अहमदाबाद

भारतीय टीम लगातार दूसरी बार टी-20 विश्व कप के फाइनल में पहुंच गई है और खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बनने से अब केवल एक जीत दूर है। फाइनल में उसकी टक्कर न्यूजीलैंड से होगी, लेकिन इस मुकाबले से पहले सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। पूरे टूर्नामेंट में ये दोनों खिलाड़ी अपनी लय में नहीं दिखे हैं, जबकि भारत ने टूर्नामेंट में उनसे बड़ी उम्मीदें लगाई थीं। पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाने वाले अभिषेक शर्मा अब तक टूर्नामेंट में केवल एक अर्धशतक ही लगा पाए हैं, जिसके कारण उनकी आलोचना भी हो रही है। कुछ लोग उन्हें टीम से बाहर करने की मांग भी कर रहे हैं। हालांकि फाइनल में उनके खेलने की संभावना ज्यादा है, क्योंकि भारत जीत हासिल करने वाली अपनी टीम में बदलाव नहीं करना चाहता।

अभिषेक का प्रदर्शन

- 89 रन बनाए हैं अभिषेक ने 12.71 की औसत से जिसमें तीन बार लगातार खाता भी नहीं खोल पाए
- 5 छक्के और दस चौके निकले हैं उनके बल्ले से अब तक और कुल 68 गेंदों का सामना किया है
- 130.88 की स्ट्राइक रेट रही है टूर्नामेंट में जबकि करियर में 188.82 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं

चक्रवर्ती का प्रदर्शन

- 8.85 की इकोनॉमी से रन लुटाए हैं टूर्नामेंट में वरुण ने जो उनके करियर की कुल इकोनॉमी (7.45) से बहुत अधिक हैं
- 248 रन दिए हैं अब तक जो टूर्नामेंट में खेल रहे सभी स्पिनरों में आदिल के बाद दूसरे सर्वाधिक हैं
- 13 विकेट चटकाए हैं आठ मैचों में जबकि करियर में 44 मुकाबलों में 72 विकेट ले चुके हैं

विरोधी टीमों की रणनीति से बढ़ी मुश्किल

टूर्नामेंट में भारत के दोनों सलामी बल्लेबाजों की किस्मत बिल्कुल अलग रही है। जहां संजू सैमसन ने पिछले दो मैचों में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचा है, वहीं अभिषेक लय पाने के लिए संघर्ष करते नजर आए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ मैच के बाद सैमसन ने कहा कि टीम प्रबंधन और कप्तान को अभिषेक पर पूरा भरोसा है।

न्यूज ब्रीफ

घुड़दौड़ : योर अनफोरेटेबल बेहतर

मुंबई। गुरुवार शाम को महालक्ष्मी रेसकोर्स पर मुंबई घुड़दौड़ सत्र के 15वें दिन छह दौड़ों का कार्यक्रम रखा गया है। कार्यक्रम की मुख्य दौड़ द्वितीय श्रेणी की राधा सिगतिया ट्रॉफी है, जिसमें मात्र पांच प्रतिद्वंद्वी हिस्सा ले रहे हैं। प्रदीप चौहान द्वारा प्रशिक्षित योर फोरेगेटेबल की स्थिति बेहतर है और उसके जीत की संभावना है। पहली दौड़ शाम पांच बजे आरंभ होगी। विभिन्न दौड़ों के लिए हमारे चयन इस प्रकार है: 1- डियागो गॉर्सिया (प्र.), प्रिस्टाईन ग्लोरी (द्वि.), 2- मिनारी (प्र.), एडमॉयरेबल (द्वि.), 3- रॉयल चैंप (प्र.), वाईकिंग (द्वि.), 4- योर अनफोरेटेबल (प्र.), फॉक्सी (द्वि.), 5- अमेरिकन ईगल (प्र.), अंडरकवर (द्वि.), 6- रीगल गलेरिया (प्र.), सैमसन (द्वि.), दिन का सर्वोत्तम: डियागो गॉर्सिया।

सीसीआई स्नूकर क्लासिक की शुरुआत

मुंबई। क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया स्थित प्रसिद्ध विल्सन जोन्स बिलियर्ड्स हॉल में सीसीआई स्नूकर क्लासिक 2026 प्रतियोगिता की शुरुआत हो रही है। 13.5 लाख ईनामी राशि वाली इस प्रतियोगिता में 27 बार आईबीएसएफ विश्व चैंपियन रहे पंकज अडवाणी तगड़े दावेदार माने जा रहे हैं। ऐसी संभावना है कि इसके पहले लगातार तीन बार यह चैंपियनशिप जीत चुके पंकज अडवाणी चौथी बार यहां पर बाजी मार सकते हैं। पंकज अडवाणी को मुंबई के आदित्य मेहता, बृजेश दामाणी, कृष गुरुबक्शानी और साहिल नय्यर कड़ी चुनौती पेश करेंगे।

इलिंगवर्थ और वार्फ फाइनल में करेंगे अंपायरिंग

एजेंसी । नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को घोषणा की कि इंग्लैंड के रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स वार्फ भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को अहमदाबाद में खेले जाने वाले टी-20 विश्व कप फाइनल में ऑन-फील्ड अंपायर की भूमिका निभाएंगे। दक्षिण अफ्रीका के अल्लाहुद्दीन पालेकर तीसरे अंपायर, जबकि एड्रियन होल्डस्टॉक चौथे अंपायर होंगे। मैच रेफरी की जिम्मेदारी जिम्बाब्वे के एंडी पायक्रॉफ्ट संभालेंगे। रिचर्ड इलिंगवर्थ लगातार दूसरे विश्व कप फाइनल में अंपायरिंग करेंगे। इससे पहले वह 2024 में क्रिस गैफनी के साथ फाइनल में अंपायर रह चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने 2023 विश्व कप फाइनल और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भी अंपायरिंग की थी। वहीं एलेक्स वार्फ पहली बार किसी सीनियर आईसीसी विश्व कप फाइनल में अधिकारी की भूमिका निभाएंगे। वार्फ इससे पहले आईसीसी महिला विश्व कप 2022 और पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 में अंपायरिंग कर चुके हैं और पिछले वर्ष ही आईसीसी के एमिरेट्स एलीट अंपायर पैनल में शामिल किए गए थे।

चिदंबरम ने फोरेस्ट को हराया, गुकेश को फिर नहीं मिली जीत

एजेंसी । प्राग

प्राग इंटरनेशनल शतरंज महोत्सव के आठवें दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने नीदरलैंड्स के जोर्डन वान फोरेस्ट को मात देकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ अरविंद ने टूर्नामेंट में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है और वह जर्मनी के विंसेंट केमेर तथा ईरान के परहाम एम के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

चैलेंजर वर्ग में भी मुकाबला कड़ा

चैलेंजर वर्ग में चेक गणराज्य के 16 वर्षीय इंटरनेशनल मास्टर फिनेक वांक्लाव ने भारत के ग्रैंडमास्टर सूर्यशेखर गांगुली को ड्रॉ पर रोका। वहीं भारत की दिव्या देशमुख ने नेमेक जाकिम के साथ मुकाबला बराबरी पर समाप्त किया। इसके अलावा उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक याकूबोएव, अमेरिका के हैंस मोके नीमैन और स्पेन के डेविड एंटोन गुइजारो भी तालिका में शीर्ष खिलाड़ियों के बीच बने हुए हैं।

गुकेश को फिर ड्रॉ से करना पड़ा संतोष

विश्व चैंपियन डी गुकेश को आठवें दौर में जर्मनी के विंसेंट केमेर के खिलाफ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। इस बीच उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने स्थानीय खिलाड़ी डेविड नवारा को हराकर एकल बढ़त बना ली है। फोरेस्ट उनसे आधा अंक पीछे दूसरे स्थान पर हैं, जबकि नवारा 4.5 अंक के साथ तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। टूर्नामेंट में अब केवल एक दौर बाकी है।

बॉलीवुड

रील लाइफ विवाद पर बोली यामी गौतम

यामी गौतम आमतौर पर विवादों से दूर रहने वाली अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं, लेकिन हाल ही में वह सोशल मीडिया पर एक विवाद में घिर गईं। दरअसल, एक पोस्ट को लाइक करने के बाद उन्हें ट्रोल किया जाने लगा। मामला बढ़ता देख अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर सफाई देते हुए कहा कि संबंधित पोस्ट उन्होंने जानबूझकर लाइक नहीं की थी, बल्कि संभव है कि वह गलती से क्लिक हो गई हो। हाल ही में हुए ज़ी सिने अवॉर्ड्स में कृति सैनन को फिल्म 'तेरे इश्क में' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया। इसके बाद सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने कृति को ट्रोल करते हुए कहा कि इस सम्मान की असली हकदार यामी थीं, जिन्होंने फिल्म 'हक' में अपने अभिनय से काफी प्रशंसा हासिल की थी। इसी दौरान कृति के खिलाफ एक पोस्ट को यामी द्वारा लाइक किए जाने पर विवाद खड़ा हो गया। विवाद बढ़ने के बाद यामी गौतम ने अपनी पोस्ट में लिखा, ₹मुझे पता चला कि मैंने एक ऐसी रील को लाइक कर दिया है जो किसी दूसरे अभिनेता के प्रति अपमानजनक है। हमें रोज कई पोस्ट में टैग किया जाता है और यह भी उसी तरह का एक टैग लगा कंटेंट लगा। मैंने पहले ही पुरस्कार समारोहों को लेकर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है और मैं फिलहाल अपने काम पर ध्यान दे रही हूं।' यामी के इस स्पष्टीकरण के बाद कई प्रशंसकों ने उनका समर्थन किया और कहा कि अभिनेत्री बेवजह विवादों में घसीटी जा रही हैं।

रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल में दिखेंगी 12 नई फिल्में

रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल का अगला संस्करण सिनेप्रेमियों के लिए खास होने जा रहा है। बुकमायशो द्वारा आयोजित इस महोत्सव में 'रेंडेज़वस विद फ्रेंच सिनेमा' नामक विशेष कार्यक्रम के तहत 12 नवीनतम और प्रशंसित फ्रांसीसी फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। यह कार्यक्रम एलायंस फ्रांसेइस डे बॉम्बे के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है और इसका उद्देश्य फ्रांसीसी सिनेमा की रचनात्मकता और वैश्विक प्रभाव को दर्शाना है। फेस्टिवल में कई चर्चित और पुरस्कारों के लिए नामांकित फिल्में दिखाई जाएंगी। इनमें 'केस 137' प्रमुख है, जिसे इस वर्ष के सेसर अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (डोमिनिक मोल) और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (लीया ड्रकर) सहित कई श्रेणियों में नामांकन मिला है। इसके अलावा इसाबेल हूपर्ट अभिनीत 'द रिचेस्ट विमेन इन द वर्ड' भी दर्शकों को देखने का मौका मिलेगा। कार्यक्रम में क्वेंटिन डुपियक्स की 'द पियानो एक्सीडेंट', कान फिल्म फेस्टिवल की ओपनिंग फिल्म 'लीव वन डे', 'कलर्स ऑफ टाइम्स' जैसी विविध शैलियों की फिल्में भी शामिल हैं। ये फिल्में समकालीन फ्रांसीसी सिनेमा की रचनात्मकता, भावनात्मक गहराई और नए दृष्टिकोण को दर्शाती हैं। महोत्सव निदेशक और बुकमायशो के सीओओ-सिनेमा आशीष सक्सेना ने कहा कि फ्रांसीसी सिनेमा हमेशा कलात्मक साहस और भावनात्मक गहराई के लिए जाना जाता रहा है और यह कार्यक्रम उसी भावना को सामने लाता है। यह महोत्सव 13 से 15 मार्च तक मुंबई में आयोजित किया जाएगा, जिसके टिकट बुकमायशो पर उपलब्ध हैं।

अदा शर्मा ने 'द केरल स्टोरी 2' को लेकर तोड़ी चुप्पी

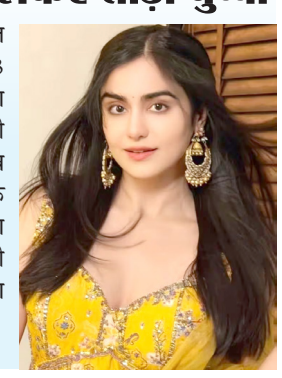

निर्माता विपुल अमृतलाल शाह की फिल्म 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' इन दिनों सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है। साल 2023 में रिलीज हुई 'द केरल स्टोरी' की सफलता के बाद इसका दूसरा भाग दर्शकों के बीच लाया गया है। हालांकि, फिल्म में पहली किस्त की मुख्य अभिनेत्री अदा शर्मा की अनुपस्थिति ने प्रशंसकों को चौंका दिया। अब अभिनेत्री ने सीक्वल में नजर न आने को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक कार्यक्रम के दौरान अदा शर्मा ने इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि उन्हें उन फिल्मों के बारे में बात करना पसंद है जिनमें वह काम करती हैं। उन्होंने कहा, ₹जब मैं किसी फिल्म का हिस्सा नहीं होती, तो मुझे लगता है कि सिर्फ सुर्खियों में आने के लिए उसके बारे में बोलना सही नहीं है।

ऑस्कर 2026 में प्रियंका चोपड़ा निभाएंगी खास भूमिका

प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर वैश्विक मंच पर भारत का नाम रोशन करने जा रही हैं। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म पुरस्कार समारोह ऑस्कर पुरस्कार 2026 के लिए प्रेजेंटर्स की सूची जारी कर दी गई है, जिसमें प्रियंका का नाम भी शामिल है। खास बात यह है कि वह इस बार हॉलीवुड के दिग्गज सितारों रॉबर्ट डाउनी जूनियर और ऐनी हैथवे के साथ मंच शेयर करती नजर आएंगी। अकादमी द्वारा जारी सूची के अनुसार, प्रियंका इस साल ऑस्कर समारोह में प्रेजेंटर के रूप में पुरस्कार प्रदान करेंगी। ग्लोबल स्टार बन चुकी प्रियंका की इस उपलब्धि से भारतीय प्रशंसकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। गौरतलब है कि प्रेजेंटर के रूप में यह प्रियंका की ऑस्कर मंच पर वापसी होगी। इससे पहले वह 2016 में आयोजित अकादमी पुरस्कार समारोह में भी एक अवॉर्ड प्रस्तुत कर चुकी हैं। उस समय भी उनकी मौजूदगी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय कलाकारों की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई थी। हाल ही में वह गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स 2026 में भी प्रेजेंटर की भूमिका निभा चुकी हैं। दुनिया के 98वें अकादमी पुरस्कार समारोह का आयोजन लॉस एंजिल्स के प्रसिद्ध डॉल्बी थिएटर में किया जाएगा। अमेरिका में यह समारोह 15 मार्च को आयोजित होगा, जबकि भारत में इसका सीधा प्रसारण 16 मार्च 2026 को सुबह 5:30 बजे से देखा जा सकेगा।

बजट खबर

भूमि लेनदेन का पूर्ण डिजिटलीकरण

फडणवीस ने बजट में महाराष्ट्र भूमि स्वामित्व विधेयक लाने का भी प्रस्ताव रखा है। इस विधेयक का उद्देश्य संपत्ति से जुड़े विवादों को कम करना, भूमि हस्तांतरण में अनियमितताओं पर रोक लगाना और नागरिकों के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित बनाना है। सरकार ने शासन व्यवस्था को डिजिटल बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। इसके तहत भूमि लेनदेन को 100 प्रतिशत कम्प्यूटरीकृत करने की योजना है। साथ ही सभी विभागों में पूर्ण रूप से कार्यात्मक ई-ऑफिस प्रणाली लागू कर कागज रहित सरकारी कामकाज की दिशा में कदम बढ़ाया जाएगा।

नागपुर में बनेगा आधुनिक डेटा सेंटर

राज्य के संप्रभु डेटा और सरकारी एप्लिकेशन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नागपुर में अत्याधुनिक राज्य डेटा सेंटर स्थापित किया जाएगा। इससे डिजिटल शासन को मजबूत आधार मिलेगा और सरकारी डेटा की सुरक्षा भी बेहतर होगी।

मानव-वन्यजीव संघर्ष से निपटने की योजना

सरकार ने मानव और वन्यजीवों के बीच बढ़ते संघर्ष से निपटने के लिए नई तकनीकों के इस्तेमाल की भी घोषणा की है। इसके तहत कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणाली लागू की जाएगी, जिससे वन्यजीवों की गतिविधियों का जल्दी पता लगाया जा सकेगा।

एमएमआर में बनेगा वेलनेस उत्कृष्टता केंद्र

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में बजट पेश करते हुए कहा कि Mumbai Metropolitan Region में वैदिक ज्ञान और पारंपरिक संगीत पर आधारित स्वास्थ्य एवं वेलनेस का एक उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किया जाएगा। इसका उद्देश्य पारंपरिक भारतीय ज्ञान और आधुनिक स्वास्थ्य प्रणाली को एक मंच पर लाना है।

बांद्रा में आधुनिक चमड़ा डिजाइन केंद्र

इसके अलावा बांद्रा में आधुनिक चमड़ा कला डिजाइन और उत्पादन केंद्र स्थापित करने की भी घोषणा की गई है। बहुमंजिला इमारत में बनने वाले इस केंद्र में नवाचार, डिजाइन और उद्यमिता से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे इस क्षेत्र के उद्योग को नई दिशा मिलेगी।

आदिवासी युवाओं के लिए 'बिरसा योजना'

मुख्यमंत्री ने बताया कि आदिवासी युवाओं को नवोन्मेषी उद्यमी और उद्योगपति बनाने के लिए 'बिरसा (भारत नवाचार, अनुसंधान, स्टार्टअप्स फॉर आत्मनिर्भरता) योजना' को लागू करने की मंजूरी दी गई है। इस योजना के तहत युवाओं को स्टार्टअप, अनुसंधान और उद्योग से जुड़ी नई संभावनाओं से जोड़ा जाएगा।

बजट : सत्तापक्ष ने सराहा विपक्ष ने की आलोचना

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के वर्ष 2026-27 के बजट को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी राजनीतिक बहस शुरू हो गई है। सत्तारूढ़ महायुति सरकार ने इसे विकास का रोडमैप बताया है, जबकि विपक्षी महा विकास आघाडी ने इसे आम जनता के बजाय ठेकेदारों के हितों का बजट करार दिया है। बजट पेश होने के बाद राज्य की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है।

सत्तापक्ष ने बताया ऐतिहासिक

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बजट को ऐतिहासिक दस्तावेज बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा प्रस्तुत यह बजट ग्रामीण और शहरी महाराष्ट्र के बीच संतुलन स्थापित करने वाला है। उनके अनुसार सरकार ने किसानों, महिलाओं, युवाओं और श्रमिकों समेत समाज के हर वर्ग को ध्यान में रखते हुए योजनाएं तैयार की हैं। शिंदे ने 'अहिल्यादेवी होलकर किसान कर्जमाफी योजना' को सरकार का मास्टरस्ट्रोक बताया। उन्होंने कहा कि यह योजना किसानों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है और इससे राज्य के लाखों किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बजट के चार मुख्य स्तंभ—प्रगतिशील, टिकाऊ, समावेशी और सुशासन—राज्य को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। उनका कहना है कि यह बजट 'विकसित महाराष्ट्र 2047' के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

विकसित महाराष्ट्र की दिशा में कदम

उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने कहा कि यह बजट दिवंगत पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विजन को आगे बढ़ाने वाला है। उनके नाम पर 'गतिमान नागरिक सेवा पुरस्कार' और स्मारक की घोषणा को उन्होंने गौरवपूर्ण बताया।

महिलाओं और विरासत पर जोर

विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोर्हे ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित 'महिला किसान वर्ष' का बजट में उल्लेख ऐतिहासिक है। उन्होंने महिलाओं के लिए बनाई गई नई नीतियों और ऐतिहासिक किलों के संरक्षण के प्रावधानों को महत्वपूर्ण बताया।

किसानों को राहत का फैसला

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने दो लाख रुपये तक की किसान कर्जमाफी और नियमित ऋण चुकाने वालों को 50 हजार रुपये प्रोत्साहन देने के निर्णय को सराहनीय बताया। उनके अनुसार इससे किसानों को आर्थिक राहत मिलेगी।

पांच ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य

राकां (अजित पवार) के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के लक्ष्य को मजबूत करेगा और राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा।

विरासत और विकास का संतुलन

मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि यह बजट महाराष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक विकास का संतुलन है। किलों के संरक्षण के साथ समृद्धि महामार्ग और बढ़वण बंदरगाह जैसे प्रोजेक्ट राज्य के विकास को नई दिशा देंगे।

युवाओं के लिए रोजगार के अवसर

कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि 'दक्ष' और 'महिमा' जैसी योजनाओं के माध्यम से युवाओं को विदेशों में रोजगार के अवसर मिलेंगे। साथ ही स्टार्टअप्स को 25 लाख रुपये तक की सहायता दी जाएगी।

श्रमिकों के लिए सुरक्षा

कामगार मंत्री आकाश फुंडकर ने कहा कि राज्य में चार नए लेबर कोड लागू होने से औद्योगिक संबंधों और श्रमिक सुरक्षा में सुधार होगा। इससे श्रमिकों को बेहतर सुरक्षा और अधिकार मिलेंगे।

विपक्ष ने कहा ठेकेदारों का बजट

विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी ने बजट की कड़ी आलोचना करते हुए इसे ठेकेदार केंद्रित बताया। विपक्ष का आरोप है कि इसमें किसानों, मध्यम वर्ग और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की अनदेखी की गई है।

उद्धव ठाकरे का हमला

शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि सरकार ने चुनाव के दौरान किसानों से कई वादे किए थे, लेकिन बजट में उन्हें पूरा करने के लिए कोई ठोस घोषणा नहीं की गई है। ठाकरे ने आरोप लगाया कि किसानों की कर्जमाफी पर कई शर्तें लगा दी गई हैं। उन्होंने कहा कि पिछली महा विकास आघाडी सरकार ने बिना शर्त दो लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफ किए थे। उन्होंने 'लाडकी बहिन' योजना को लेकर भी सरकार से जवाब मांगा और कहा कि महिलाओं को 2100 रुपये देने का वादा किया गया था,

शरद पवार गुट ने की आलोचना

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) के नेता शशिकांत शिंदे ने भी बजट की आलोचना करते हुए इसे भ्रामक बताया। उन्होंने कहा, ''एक साल के बजट में अगले 20 वर्षों के सपने क्यों दिखाए जा रहे हैं? यह बजट ग्रामीण अर्थव्यवस्था की उपेक्षा करता है और उद्योगपतियों और ठेकेदारों का पक्षधर है।''

कांग्रेस की भी तीखी प्रतिक्रिया

महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने बजट को बड़े-बड़े आंकड़ों और खोखली घोषणाओं का दस्तावेज बताया। उनका आरोप है कि इन घोषणाओं के पीछे राज्य की आर्थिक स्थिति कमजोर होती जा रही है। कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि बजट 'जनता को गुमराह करने के लिए शब्दों और आंकड़ों का एक हमला' है।

अल्पसंख्यकों के लिए कोई नई योजना नहीं

समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख ने शुक्रवार को पेश किए गए 2026-27 के राज्य बजट में अल्पसंख्यक समुदाय की पूरी तरह से अनदेखी करने और उनके लिए एक भी नई घोषणा न करने के लिए महायुति सरकार की आलोचना की। बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए विधायक रईस शेख ने कहा कि गुरुवार को प्रस्तुत राज्य की वित्तीय सर्वेक्षण रिपोर्ट में बताया गया है कि चालू वित्त वर्ष में दिसंबर 2025 तक अल्पसंख्यकों के लिए स्वीकृत धनराशि का 50 प्रतिशत से भी कम हिस्सा खर्च किया गया है।

विदर्भ को बजट में बड़ी सौगात

नागपुर में सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान, रामटेक में फिल्म सिटी और मेट्रो विस्तार की घोषणा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में विदर्भ क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। स्वास्थ्य, उद्योग, शिक्षा और बुनियादी ढांचे पर विशेष जोर देते हुए नागपुर को स्वास्थ्य सेवा प्रशिक्षण के क्षेत्र में बड़ी सौगात दी गई है। यहां महाराष्ट्र सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान की स्थापना की जाएगी, जो उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और अनुसंधान का केंद्र बनेगा।

नागपुर में बनेगा सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान

सरकार द्वारा स्थापित किया जाने वाला यह संस्थान देश के प्रतिष्ठित संस्थानों की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। इसका उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े विशेषज्ञों को आधुनिक प्रशिक्षण और अनुसंधान की सुविधा उपलब्ध कराना है। इससे स्वास्थ्य क्षेत्र में नई तकनीक और नीतियों के विकास को बढ़ावा मिलेगा।

रामटेक के नवरगांव में फिल्म सिटी

बजट में रामटेक के नवरगांव में फिल्म सिटी विकसित करने की भी घोषणा की गई है। यह राज्य में मुंबई और पुणे के बाद तीसरी फिल्म सिटी होगी। इस परियोजना से क्षेत्र के कलाकारों को मंच मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

जियोटेक्नोलॉजी एप्लीकेशन सेंटर की स्थापना

नागपुर में जियोटेक्नोलॉजी एप्लीकेशन सेंटर स्थापित करने की भी योजना है। यह केंद्र भू-वैज्ञानिक और तकनीकी शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और नए नागपुर को विकास का मॉडल बनाने में मदद करेगा।

रामसृष्टि और कालिदास सृष्टि का विकास

रामटेक क्षेत्र के पर्यटन और सांस्कृतिक महत्व को बढ़ाने के लिए 'रामसृष्टि' और 'कालिदास सृष्टि' परियोजनाओं को भी लागू किया जाएगा। इसके साथ ही महाकवि कालिदास के जीवन पर आधारित फिल्म बनाने की योजना भी सामने आई है।

नागपुर मेट्रो की तीसरी लाइन

नागपुर में सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने के लिए मेट्रो की तीसरी लाइन शुरू करने का भी प्रावधान किया गया है। इस लाइन के अंतर्गत कोराडी मार्ग तक मेट्रो रेल का विस्तार किया जाएगा, जिससे शहर की यातायात व्यवस्था को नई गति मिलेगी।

पर्यावरण और कनेक्टिविटी पर जोर

पर्यावरण संरक्षण के लिए गडचिरोली में पांच करोड़ वृक्षारोपण का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही यहां हवाई अड्डा निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण और समृद्धि महामार्ग का विस्तार भंडारा और गोंदिया होते हुए गडचिरोली तक करने की घोषणा की गई है।

शिक्षा और सांस्कृतिक परियोजनाएं

अमरावती में डॉ. पंजाबराव देशमुख शैक्षणिक संकुल स्थापित किया जाएगा, जहां शिक्षा विभाग के सभी कार्यालय एक ही परिसर में संचालित होंगे। वहीं संत गाडगेबाबा की 150वीं जयंती के अवसर पर 'संत गाडगेबाबा तीर्थक्षेत्र सर्किट' विकसित करने की योजना भी घोषित की गई है।

सिंचाई और हवाई संपर्क को बढ़ावा

विदर्भ की सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगभग 95 हजार करोड़ रुपये की वैनगंगा-नलगंगा नदी जोड़ परियोजना को प्रशासनिक मंजूरी दी गई है। इस परियोजना के माध्यम से क्षेत्र में जल संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और किसानों को सिंचाई की स्थायी सुविधा मिलने की उम्मीद है। लंबे समय से सूखे और कम बारिश की समस्या झेल रहे विदर्भ के कई जिलों को इससे राहत मिल सकती है। इसके अलावा अमरावती, अकोला और यवतमाल हवाई अड्डों के विस्तार तथा नाइट लैंडिंग सुविधा शुरू करने के लिए भी बजट में प्रावधान किया गया है।

गडचिरोली को स्टील हब बनाने की योजना

आदिवासी बहुल गडचिरोली जिले को स्टील हब के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है। इस परियोजना के तहत लगभग 2.61 लाख करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है और करीब 70 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलने का अनुमान है।

इसरो और नासा जाएंगे महाराष्ट्र के छात्र

- नवी मुंबई में बनेगी एज्यूसिटी, 6 देशों के विश्वविद्यालय होंगे शुरू
- राज्य में 8 से 10 शैक्षणिक शहर विकसित किए जाएंगे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

'विकसित महाराष्ट्र 2026' बजट में युवा, शिक्षा और खेल क्षेत्र को विशेष प्राथमिकता दी गई है। छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अंतरराष्ट्रीय अवसर उपलब्ध कराने के लिए कई नई योजनाओं की घोषणा की गई है। इसी कड़ी में नवी मुंबई में 'एज्यूसिटी' नामक एक महत्वाकांक्षी शैक्षणिक परियोजना विकसित की जाएगी। इस शैक्षणिक शहर में छह देशों के अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय शुरू किए जाएंगे और इन्हें इसी वर्ष शुरू करने की योजना है।

राज्य में बनेंगे और शैक्षणिक शहर

सरकार का लक्ष्य है कि नवी मुंबई की तर्ज पर राज्य में आठ से दस और शैक्षणिक शहर विकसित किए जाएं। इस पहल से राज्य के विद्यार्थियों को विदेशी विश्वविद्यालयों के स्तर की शिक्षा महाराष्ट्र में ही मिल सकेगी। सरकार का मानना है कि इससे उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने की आवश्यकता कम होगी और राज्य में ही बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध होंगे।

'मुख्यमंत्री विज्ञान वारी' योजना

छात्रों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए 'मुख्यमंत्री विज्ञान वारी' नामक नई योजना की घोषणा की गई है। इस योजना के तहत विद्यार्थियों को दुनिया की प्रसिद्ध अनुसंधान संस्थाओं का दौरा करने का अवसर मिलेगा। विशेष रूप से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा जैसी संस्थाओं का प्रत्यक्ष अनुभव छात्रों को दिया जाएगा, जिससे विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में उनकी रुचि और प्रेरणा बढ़ेगी।

स्टार्टअप और उद्यमिता को प्रोत्साहन

युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 'मुख्यमंत्री उद्यमिता महाफंड' की घोषणा की है। इसके माध्यम से नई स्टार्टअप कंपनियों को सीधे आर्थिक सहायता दी जाएगी। अगले पांच वर्षों में राज्य में लगभग 1.25 लाख नए उद्यमी तैयार करने और 50 हजार स्टार्टअप कंपनियों को सहयोग देने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही सर्वश्रेष्ठ 50 स्टार्टअप को नवाचार परियोजनाओं के लिए 25 लाख रुपये तक के सरकारी कार्यों के सीधे वर्क ऑर्डर दिए जाएंगे।

डिजिटल और स्मार्ट पुलिसिंग पर जोर

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने पुलिस व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को 2026-27 का बजट पेश करते हुए कहा कि अगले तीन वर्षों में राज्य के पुलिसकर्मियों को चरणबद्ध तरीके से शरीर पर लगाए जाने वाले बॉडी कैमरों से लैस किया जाएगा। इससे पुलिस कार्रवाई में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'विकसित महाराष्ट्र 2047' पहल के अंतर्गत स्मार्ट पुलिसिंग और न्याय व्यवस्था को मजबूत करने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। बॉडी कैमरों के उपयोग से पुलिस की कार्यप्रणाली अधिक जवाबदेह बनेगी और घटनाओं की रिकॉर्डिंग से जांच प्रक्रिया भी अधिक सटीक होगी। अपराध जांच को अधिक प्रभावी बनाने के लिए राज्य में प्रायोगिक तौर पर 21 सचल फोरेंसिक वाहनों को तैनात किया गया है। इन वाहनों के माध्यम से घटनास्थल पर ही वैज्ञानिक जांच संभव होगी और अपराधों की पड़ताल तेजी से की जा सकेगी।